■ भाद्रपद कृष्णा - 4 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 42 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 03-09-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कोई भी अकेले मोदी का सामना नहीं कर सकता : दिलीप घोष

6 कैप्टन सुनील कुमार चौधरी : परमवीर की प्रतिमा से मिली प्रेरणा, उल्फा के खूंखार उग्रवादियों का किया संहार

7 'यात्री' में उनका किरदार अधूरे जुनून और सपनों की भावना है : सीमा पाहवा

फर्स्ट टेक

चीन में तूफान 'साओला' की दस्तक, नौ लाख लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए

बीजिंग/एपी। दक्षिणी चीन में शनिवार सुबह तूफान 'साओला' ने दस्तक दी। चेतावनी को देखते हुए एक दिन पहले ही लगभग नौ लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया था। इसके अलावा तूफान के चलते हांगकांग के अधिकतर हिस्से और तटीय दक्षिणी चीन के अन्य हिस्सों में व्यापारिक गतिविधियां, परिवहन सेवा और स्कूल बंद कर दिए गए। हांगकांग के ठीक दक्षिण में झुहाई शहर में रात तीन बजकर 30 मिनट यह शक्तिशाली तूफान आया।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वाद पर वाद

आए चुनाव लो शुरू हुआ,
तू-तू मैं-मैं तकरारवाद।
आक्षेप और हथकण्डों से,
आपस में फैला खारवाद।
नीचे से ऊपर सभी जगह,
सिस्टम में अब परिवारवाद।
सच को झुठलाते सारे दल,
कब आएगा स्वीकारवाद।।

चांद पर विजय के बाद सूर्य की ओर कूच

'आदित्य एल1' का सफल प्रक्षेपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रॉकेट से अलग होकर अंतरिक्ष यान सटीक कक्षा में स्थापित, सूर्य की यात्रा शुरू

इसरो ने शनिवार को कहा कि पीएसएलवी रॉकेट पर सवार आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान शनिवार को सफलतापूर्वक अलग हो गया और अब यह सूर्य की ओर 125 दिन की अपनी यात्रा पर आगे बढ़ेगा। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा कि अंतरिक्ष यान को सटीक कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। सोमनाथ ने कहा, आदित्य एल1 अंतरिक्ष यान को पीएसएलवी ने बहुत सटीक तरीके से 235 गुणा 19,500 किलोमीटर की अपेक्षित अंडाकार कक्षा में स्थापित कर दिया। अब से आदित्य एल1 सूर्य की ओर 125 दिन की लंबी यात्रा पर जाएगा।

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कुछ दिन पहले चंद्रमा पर सफल 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने के बाद एक बार फिर इतिहास रचने के उद्देश्य से शनिवार को देश के पहले सूर्य मिशन 'आदित्य एल1' का यहां स्थित अंतरिक्ष केंद्र से सफल प्रक्षेपण किया।

इसरो ने बताया कि आदित्य-एल1 यान पीएसएलवी रॉकेट से सफलतापूर्वक अलग हो गया है। भारत का यह मिशन सूर्य से संबंधित रहस्यों से पर्दा हटाने में मदद करेगा। इसरो के अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही 23.40 घंटे की उलटी गिनती समाप्त हुई, 44.4 मीटर लंबा ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) चेन्नई से लगभग 135 किलोमीटर दूर श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 11.50 बजे निर्धारित समय पर शानदार ढंग से आसमान की तरफ रवाना हुआ। इसरो के अनुसार, आदित्य-एल1' सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित वेधशाला है।

बैंक धोखाधड़ी मामले में

जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल ईडी की हिरासत में

मुंबई/भाषा। महानगर स्थित एक विशेष धनशोधन रोधी अदालत ने केनरा बैंक की शिकायत पर दर्ज 538 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के मामले में जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को शनिवार को 11 सितंबर तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। गोयल (74) को केंद्रीय एजेंसी ने शुक्रवार रात यहां अपने कार्यालय में लंबी पूछताछ के बाद धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार कर लिया था। उन्हें शनिवार को अदालत में पेश किया गया।

हमारी संस्कृति ही भारत को प्रमुखता दिलाने में मदद कर रही : मांडविया

आणंद (गुजरात)/भाषा। कोरोना वायरस महामारी के दौरान केंद्र की ओर से की गई दवाइयों और टीकों की आपूर्ति का जिक्र करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को कहा कि भारत की सेवा की संस्कृति कोविड बाद के दौर की नई विश्व व्यवस्था में उसे प्रमुखता दिलाने में मदद कर रही है। उन्होंने आणंद जिला स्थित भाईकाका विश्वविद्यालय के अमृत पटेल जन स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन करने के बाद कहा, (कोविड महामारी के दौरान) जब अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बंद हो गई थीं, तब छह-सात विमान रोजाना दवाइयां लेने के लिए भारत आते थे। हमने न केवल दवाइयां दीं, बल्कि पूरी दुनिया को अपनी संस्कृति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि यदि भारत चाहता तो वह बहुत ऊंची कीमतों पर अन्य देशों को दवा बेच सकता था, लेकिन भारत महामारी से पहले के मूल्य स्तरों पर ही दवाइयों की आपूर्ति करता रहा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, जब दुनिया अपनी जरूरत से तीन-चार गुणा अधिक टीकों का भंडारण कर रहा था, तब भारत ने न केवल घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए बल्कि 'वैक्सीन मैत्री' के तहत निम्न दर पर 100 से अधिक देशों को आपूर्ति के लिए टीकों का उत्पादन किया।

बारिश में मैच धुला, पर किशन-पांड्या चमके

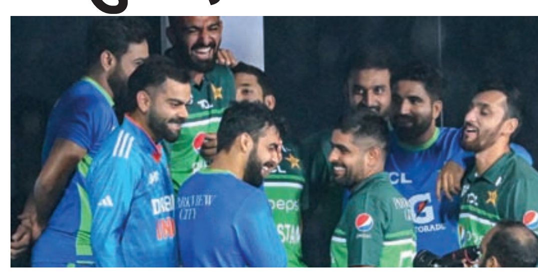

पाल्लेकेले/वार्ता। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को खेला गया बहुप्रतीक्षित एशिया कप ग्रुप-ए मुकाबला बारिश में धुलने के बाद पाकिस्तान ने सुपर-चार चरण में प्रवेश कर लिया।

भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 48.5 ओवर में 266 रन बनाये, लेकिन बारिश के कारण पाकिस्तान की पारी की एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। बादलों के लगातार बरसते रहने के कारण अंपायरों ने स्थानीय समयानुसार रात नौ बजकर 52 मिनट पर मैच रद्द करने का फैसला किया और दोनों टीमों ने एक-एक अंक बांटा। पहले मुकाबले में नेपाल को 238 रन से रौंदने वाला पाकिस्तान सुपर-चार चरण में पहुंच गया, जबकि भारत अब चार सितंबर को नेपाल से भिड़ेगा।

बारिश से पहले शाहीन अफरीदी (35/4) की अगुवाई में पाकिस्तान के तेज़ गेंदबाज़ों ने भारतीय बल्लेबाजी पर कहर बरपाया, जबकि भारत की ओर से हार्दिक पांड्या और ईशान किशन विपरीत परिस्थितियों में चमके। भारत के चार विकेट 66 रन पर गिरने के बाद पांड्या ने 90 गेंद पर सात चौकों और एक छक्के के साथ सर्वाधिक 87 रन बनाये, जबकि किशन ने 81 गेंद पर नौ चौकों और दो छक्कों के साथ 82 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा भारत का कोई बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा नहीं छू सका।

शानदार शाहीन ने 10 ओवर में 35 रन देकर चार विकेट लिये, जबकि नसीम शाह (8.5 ओवर, 36 रन) और हारिस रऊफ (नौ ओवर, 58 रन) ने तीन-तीन विकेट चटकाये। यह एशिया कप के इतिहास में पहली बार है जब एक टीम के सभी विकेट तेज़ गेंदबाज़ों ने चटकाये हों।

सहज स्मृति योग

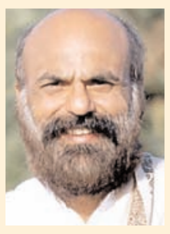

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, क्या ऐसी किसी वस्तु या इष्ट का अस्तित्व होना या, अस्तित्व में किसी ऐसी वस्तु या इष्ट का होना सम्भव है जिस वस्तु या इष्ट का स्वामित्व गुरु से परे हो, ?

उत्तर: गुरु का स्वामित्व परम है। अतएव यह संभव नहीं है। मनुष्य में कल्पना शक्ति ही एक ऐसी कला है जिससे विस्तृत उसके पास कुछ और नहीं है। किंतु, कल्पना और यथार्थ दोनों अपने परम अर्थ में गुरु के अंदर ही हैं। गुरु परमार्थ का स्रोत पहले है तत्पश्चात ही परमार्थ गुरुत्व का यथार्थीकरण कर पाता है। अत: कल्पना को यथार्थ बनाना इष्ट के वश में है लेकिन, यथार्थ को कल्पना बनाना इष्ट के वश में भी नहीं हैं क्योंकि, यथार्थ कल्पना से परे ही है। गुरु की एक परिभाषा ही यही है कि गुरु से परे की कल्पना भी सम्भव नहीं है। गुरु ही स्वार्थ है, गुरु ही नि:स्वार्थ है। गुरु ही यथार्थ है और, वही कृतार्थ है।गुरु ही हर एक दृष्टि से परमार्थ है। इसलिए सर्वत्र उसी का स्वामित्व है। यदि किसी की दृष्टि में गुरु ऐसा नहीं है तो उसकी/(हमारी) आत्म-पहचान ही यही है कि गुरु होने का भाव उसने गुरु भाव की पूर्णता में ना अभी समझा है और ना ही अनुभव में पाया है और ना ही उसकी अनुभूति में आया है।गुरु आदि-अंत रहित अवस्था है। गुरु का निकटतम पर्याय केवल सनातन है; सनातन धर्म भी नहीं, क्योंकि, धर्म का प्रादुर्भाव सायुज्यता, सामीप्यता, सालोक्यता और सारूप्यता चतुष्टय के प्रकट होने पर ही स्पष्ट होता है उससे पूर्व नहीं ।

सिर्फ भाजपा छत्तीसगढ़ को कांग्रेस की लूट, अत्याचार और कुशासन से बचा सकती है : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को छत्तीसगढ़ सरकार के खिलाफ 104 पन्नों का आरोप पत्र जारी किया और कहा कि केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ही छत्तीसगढ़ को कांग्रेस की लूट, अत्याचार और कुशासन से बचा सकती है। शाह ने रायपुर में दीनदयाल उपाध्याय सभागार में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ आरोप पत्र जारी करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ को गांधी परिवार का 'एटीएम' बनाया और राज्य को विकास के रास्ते से भटका दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने छत्तीसगढ़ में पांच साल से सत्तारूढ़ घपले-घोटालों की सरकार, अत्याचार की सरकार, वादाखिलाफी की सरकार के खिलाफ जनजागृति फैलाने और राज्य में फिर से भाजपा की सरकार बनाकर उसे विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए यह आरोप पत्र जारी करने का फैसला किया है।

शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार ने 15 साल तक अटल जी के सपने को साकार करने और राज्य को निखारने का काम किया, लेकिन 2018 में जब कांग्रेस सत्ता में आई, तो उसने लूट, भ्रष्टाचार और घोटालों की सरकार बनाई, जिससे छत्तीसगढ़ के विकास के मार्ग पर सवालिया निशान लग गया। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ की जनता ने हमेशा भाजपा को आशीर्वाद दिया। पार्ट ने राज्य में तीन बार सरकार बनाई। 2014 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को राज्य की 11 में से 10 सीटें मिलीं, जबकि 2019 में नौ सीटें हासिल हुईं। विश्वास है कि 2024 में जनता के आशीर्वाद से मोदी जी के नेतृत्व में फिर से एक बार केंद्र में मजबूत सरकार बनेगी और उससे पहले छत्तीसगढ़ में पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार सत्ता में आएगी।

शाह ने कहा कि कांग्रेस ने घपले-घोटाले कर और दिल्ली के दरबार का 'एटीएम' बनाकर जिस छत्तीसगढ़ को विकास के रास्ते से भटका दिया है, उसे राज्य में भाजपा की सरकार बनाकर रास्ते पर लाना है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने राज्य में केंद्रीय एजेंसियों द्वारा कोयला, शराब, ऑनलाइन सट्टेबाजी से संबंधित कथित घोटालों की जांच को लेकर कहा कि केवल भाजपा ही छत्तीसगढ़ को कांग्रेस के घोटालों, अत्याचारों और कुशासन से बचा सकती है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर वोट बैंक की राजनीति के लिए छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों में बड़े पैमाने पर हो रहे धर्मांतरण को नहीं रोकने का आरोप लगाया।

भारतीय संस्थानों ने बातचीत के माध्यम से समस्याओं को सुलझाने की संस्कृति विकसित की: सीजेआई चंद्रचूड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि भारतीय संस्थानों ने बातचीत, सहिष्णुता और साझा मूल्यों के माध्यम से समस्याओं को हल करने की संस्कृति विकसित की है, जबकि इसके उलट, कई देशों में समस्याओं का समाधान अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से होता है।

सीजेआई ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय की आइजोल पीठ की नई इमारत का उद्घाटन करने के बाद यहां कहा कि कानून का शासन देश और न्यायाधीशों, वकीलों और वादियों को शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने कहा, दुनिया में बहुत सारे देश हैं, जहां समस्याओं का समाधान अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से होता है, लेकिन हमारी संस्था का महत्व यह है कि हमने हिंसा की संस्कृति को संवाद की संस्कृति, सहिष्णुता की संस्कृति, इस समझ और अहसास की संस्कृति से बदल दिया है कि मानवीय खुशी लाने में हमारा साझा हित है। सीजेआई ने कहा कि न्याय की अदालत समाज भर में जो महत्वपूर्ण संदेश भेजती है वह यह है कि हम कानून के शासन का प्रतिनिधित्व करते हैं, हम विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि समुदायों और विभिन्न हितधारकों के बीच संवाद की भावना ने देश में समझ की भावना विकसित की है। उन्होंने महिलाओं से अधिक संख्या में न्यायपालिका में शामिल होने का आग्रह किया और यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास करने का भी आह्वान किया कि कार्यस्थल उनके लिए अधिक अनुकूल हो। सीजेआई ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त आइजोल पीठ की नई इमारत सही दिशा में एक कदम है।

'तीर्थंकरों ने हमें सन्मार्ग का मार्ग दिखा कर उपकार किया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। यहां शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजीश्री ने प्रवचन में कहा कि तीर्थंकर परमात्मा का बहुत बड़ा उपकार ये है, कि उन्होंने जीवों का सन्मार्ग दिखाया है। सच्चा तत्त्वज्ञान परोसा है। परन्तु हमारा अज्ञान है कि सच्चा मार्ग मिलने पर भी वास्तविक तत्व ज्ञान प्राप्त होने की संभावना होने पर भी उसे जानने का प्रयास नहीं किया और अब भी प्रयास नहीं कर रहे। हम लोग शरीर के बाबत बहुत स्पष्ट है। उसमें जरा सा गडबड हो तो तुरंत चिकित्सक के पास जाते हैं। हर क्षेत्र के विशेषज्ञ, व्यक्ति से हम संपर्क करते हैं, पर मैं आत्मा हूँ, इस आत्मा का हित हो जाए, उर्ध्वगतिवाली हो जाए, अनंत शक्तिशाली बन जाएं उस हेतु संपूर्ण सुख के मार्ग दर्शन नहीं लिया। हमने सारे जन्मों में जन्म लिया तब से सुखी होने की ही कोशिश की है। इस भव में भी करते रहे है किन्तु सुखी हुए ही नहीं । दु:खी के दु:खी रहे हैं। अनंत काल से अनंत बार ये प्रयत्न कर चुके हैं। मेहनत की परंतु सुखी न हो सके उसका एक ही कारण है कि हमने तारक तत्त्व को तारक रूप में पहचाना नहीं और माना भी नहीं हैं। जब तक नहीं पहचानेंगे और नहीं मानेंगे वहाँ तक उन तारक तत्त्वों तक पहुँचेंगे भी नहीं। वो तारक तत्व है देव, गुरु और धर्म।

पंजाब में जारी पटवारी आंदोलन के बीच, सीएम ने नए 'पटवारियों' की भर्ती की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब में पटवारियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर किए जा रहे आंदोलन के बीच, प्रदेश के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को रिक्त पदों पर 586 नए 'पटवारियों' (राजस्व अधिकारियों) को नियुक्त करने की घोषणा की और कहा कि लोगों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने एक वीडियो संदेश में यह भी कहा कि 741 प्रशिक्षु पटवारियों को उन मंडलों में काम का जिम्मा सौंपा जाएगा जहां पद खाली पड़े हैं। उन्होंने आगे कहा कि 710 ऐसे पद हैं जहां पुलिस सत्यापन लंबित होने के कारण नियुक्ति पत्र जारी नहीं किया जा सका है। मान ने कहा कि गृह विभाग को पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया है, ताकि उन 710 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र दिया जा सके, जो पहले ही परीक्षा दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि इन कदमों से कुल 2,037 हलकों को भरा जाएगा जहां पटवारियों के पद खाली पड़े हैं। उन्होंने पटवारियों के खिलाफ कई शिकायतें मिलने के बाद उनके कार्यालयों में उनकी बायोमेट्रिक उपस्थिति लागू करने की भी घोषणा की। राजस्व अधिकारी मुख्य रूप से भूमि स्वामित्व से संबंधित रिकॉर्ड रखते हैं। यह घोषणा पटवारियों द्वारा अपना आंदोलन शुरू करने के एक दिन बाद आई।

वाईएसआरसीपी के वरिष्ठ नेता ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रस्ताव का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के महासचिव वी विजयसाई रेड्डी ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रस्ताव की वकालत करते हुए शनिवार को कहा कि इसके कई सकारात्मक पहलू हैं और इससे हजारों करोड़ रुपए बचाने में मदद मिल सकती है। रेड्डी, आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ दल से राज्यसभा सदस्य भी हैं।

उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा राज्य विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव एक साथ कराने की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में एक समिति गठित करने के मद्देनजर अपने विचार व्यक्त किए। रेड्डी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स (पूर्व में ट्वीटर)' पर पोस्ट कर कहा, एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा के कई सकारात्मक पहलू हैं, सबसे बड़ी बात यह है कि इससे हजारों करोड़ रुपए की बचत हो सकती है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह अवधारणा भारत के लिए नई नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे पहले 1951-52, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हो चुके हैं। रेड्डी ने अपने पोस्ट में कहा, भारत में 1951-52, 1957, 1962 और 1967 में एक साथ लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव हुए थे। आंध्र प्रदेश पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि राज्य में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ ही होते हैं।

केसीआर ने आदित्य-एल1 लॉन्च की सराहना की, कहा, इसरो ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की

हैदराबाद/भाषा। भारत के पहले सौर मिशन आदित्य-एल1 के सफल प्रक्षेपण पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने शनिवार को कहा कि इसरो ने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हाल में चंद्रयान-3 मिशन के तहत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर साफ्ट लैंडिंग में सफलता हासिल की। इसके कुछ ही दिन बाद इसरो ने शनिवार को आदित्य-एल1 प्रक्षेपित किया जो सूर्य के बारे में जानकारी हासिल करेगा। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, राव ने कहा कि अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत के वैज्ञानिकों की उपलब्धि दुनिया के लिए एक आदर्श है और यह हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है। केसीआर के नाम से प्रसिद्ध राव ने कहा कि इसरो ने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

आदित्य-एल1 के सफल प्रक्षेपण पर देश गौरवान्वित है: केन्द्रीय मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली/भाषा। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारत के पहले सूर्य मिशन 'आदित्य-एल1' के सफल प्रक्षेपण पर देश गौरवान्वित और प्रसन्न है। शाह ने साथ ही इसके लिए वैज्ञानिकों की सराहना की। इसरो ने कुछ दिन पहले चंद्रमा पर सफल 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने के बाद एक बार फिर इतिहास रचने के उद्देश्य से शनिवार को देश के पहले सूर्य मिशन 'आदित्य एल1' का आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र से सफल प्रक्षेपण किया। इसने बताया कि आदित्य-एल1 यान पीएसएलवी रॉकेट से सफलतापूर्वक अलग होकर सटीक कक्षा में पहुंच गया है।

रोती हुई आंखों से परमात्मा के दर्शन होते हैं : साध्वी संस्कारनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ जयनगर के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वीश्री संस्कारनिधिश्रीजी ने कहा कि खुली आंखों से जगत के दर्शन होते हैं, बंद आंखों से निज आत्मा के दर्शन होते हैं और रोती हुई आंखों से परमात्मा के दर्शन होते हैं।

जगत के दर्शन वास्तविक दृष्टि से किए जाए तो अंतरात्मा में संवेग जगता है और अपनी काया के स्वरूप के दर्शन वास्तविक दृष्टि से किए जाए तो अंतरात्मा में वैराग्य जगता है। विश्व के परिवर्तन से स्वरूप के दर्शन करने के पश्चात मोक्ष प्राप्ति की इच्छा जगे बिना नहीं रहती। काया रोगों का घर है। शरीर से हम चाहे जितना प्रेम करें, हम चाहे जितना ध्यान रखें, एक दिन यह शरीर तो विनाश पाता ही है। साधना का साधन यह शरीर है जब तक शरीर का साथ है इससे हम साधना करें, यही इसकी सार्थकता हैं। शरीर राख बने उसके पहले हम उसका राग तोड़े, चिता पर चढ़े उसके पहले चिंतन करके चेत जाएं, अर्थी उठी इससे पहले जीवन का अर्थ समझ ले, अस्ती बने उसके पहले आस्था जगा ले. काल के प्रहार से शरीर ढल जाए इसके पहले धर्म की ढाल तैयार रखें।

जी-20 सम्मेलन स्थल पर 28 फुट ऊंची 'नटराज' की प्रतिमा स्थापित की जा रही

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में अगले सप्ताह भारत मंडपम में जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा जहां पर भगवान शिव के 'नटराज' स्वरूप की विशाल प्रतिमा स्थापित की जा रही है।

माना जा रहा है कि 'नटराज' की यह दुनिया में सबसे ऊंची प्रतिमा होगी। सूत्रों ने बताया कि यह प्रतिमा आधार सहित 28 फुट ऊंची है और धातु ढलाई की प्राचीन 'मोम' तकनीक का उपयोग करके इसे बनाया गया है। उन्होंने बताया कि प्रतिमा का निर्माण करने में प्रसिद्ध चोल कांस्य का उपयोग किया गया है। 'नटराज' भगवान शंकर का स्वरूप है जिसमें वह ब्रह्मांड का सृजन करने और विध्वंस करने की उनकी शक्ति को 'तांडव'मुद्रा में दिखाया गया है। सूत्रों ने बताया, हम जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल भारत मंडपम के परिसर में नटराज की अब तक की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं। जी20 नेताओं का शिखर सम्मेलन 9-10 सितंबर को प्रगति मैदान में नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी केंद्र 'भारत मंडपम' में होगा।

विपक्षी दलों की बैठक में आरक्षण की ऊपरी सीमा हटाने, जातिगत सर्वेक्षण पर चर्चा हुई : पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालना(महाराष्ट्र)/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने जालना जिले की अंबड तालुका में एक दिन पहले पुलिस कार्रवाई में घायल हुए मराठा 'कोटा' आंदोलनकारियों से शनिवार को मुलाकात की और आरक्षण पर लागू 50 प्रतिशत की ऊपरी सीमा हटाने की मांग की।

उन्होंने यह भी कहा कि 'जातिगत सर्वेक्षण, और आरक्षण की ऊपरी सीमा हटाने पर बृहस्पतिवार और शुक्रवार को हुई विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' की बैठक में चर्चा हुई। पवार ने कहा कि आंदोलनकारियों ने उन्हें बताया कि उच्च पद पर आसीन एक व्यक्ति का फोन आने पर धुले-सोलापुर मार्ग पर अंतरवाली सराटी में प्रदर्शन स्थल पर पुलिस का रवैया बदल गया।

शुक्रवार को पुलिस ने वहां एक हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया था और आंसू गैस के गोले छोड़े थे। भूख हड़ताल पर बैठे एक व्यक्ति को वहां मौजूद लोगों द्वारा कथित तौर पर अस्पताल नहीं ले जाने देने के कारण पुलिस ने यह कार्रवाई की थी।

यहां भड़की हिंसा के दौरान करीब 40 पुलिसकर्मी और कई प्रदर्शनकारी घायल हुए तथा इस दौरान कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया था। अप्रिय घटनाओं में कथित संलिप्तता को लेकर 350 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। राकांपा प्रमुख ने यहां दोपहर में एक स्थानीय अस्पताल में घायलों से बात करते हुए कहा कि मराठा समुदाय के लिए नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण मांग रहे लोगों को ऐसा शांतिपूर्वक करना चाहिए, संयम बरतना चाहिए और वे शांति बनाए रखें।

पवार ने उन्हें अपने समर्थन का आश्वासन दिया, और शुक्रवार की पुलिस कार्रवाई स्थल पर भूख हड़ताल पर बैठे कई आंदोलनकारियों से भी मुलाकात की।

उदय कोटक ने कोटक महिंद्रा बैंक के सीईओ पद से इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

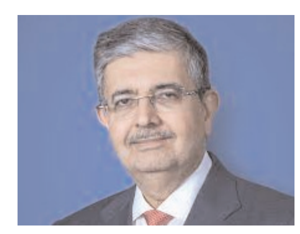

नई दिल्ली/भाषा। कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक एवं प्रवर्तक उदय कोटक ने बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद से इस्तीफा दे दिया। बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को यह जानकारी दी। कोटक ने रिजर्व बैंक द्वारा तय समयसीमा से तीन महीने पहले अपना इस्तीफा दिया। उनके पास बैंक में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है

कोटक महिंद्रा बैंक ने साथ ही बताया कि संयुक्त प्रबंध निदेशक दीपक गुप्ता 31 दिसंबर तक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की जिम्मेदारी निभाएंगे।

शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक, बैंक की आज हुई बोर्ड बैठक में उदय कोटक के इस्तीफे पर विचार किया गया और वह एक सितंबर 2023 से बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ नहीं रहे। वह अब बैंक के गैर-कार्यकारी निदेशक बन गए हैं।

'स्व कल्याण की भावना होगी तभी परमात्मा हमारा कल्याण करेंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री अभयशेखर सूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जब तक मुझे मेरा कल्याण करना है जब तक ये इच्छा जागृत न हो तब तक साक्षात तीर्थंकर परमात्मा भी हमारा कल्याण नहीं कर सकतें। आत्मकल्याण करना है तो एक भी जीव के प्रति द्वेष नहीं रखना, द्वेष होगा तो सम्यक्त्व की प्राप्ति नहीं होगी और सम्यक्त्व ही नहीं तो आगे आत्मकल्याण की बात नहीं आती। किसी भी एक जीव के प्रति द्वेष मतलब स्वयं के प्रति द्वेष। स्वयं की आत्मा का मित्र बनना है तो स्वीकार करना होगा शरीर, संपत्ति, पत्नी, परिवार के प्रति रहा हुआ ममत्व मेरा शत्रु है। शास्त्रकारों ने कहा है कि पुद्गल के प्रति राग में आत्मकल्याण हो सकता है लेकिन एक भी जीव के प्रति द्वेष से आत्मकल्याण संभव ही नहीं है।।

भारत में 2080 तक भूजल में तीन गुना कमी हो सकती है : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के किसानों ने यदि मौजूदा दर से भूजल का दोहन जारी रखा तो 2080 तक तो भूमिगत जल में तीन गुना कमी हो जाएगी, जो देश के खाद्य और जल सुरक्षा को खतरा पैदा कर सकता है। एक नए अध्ययन में यह कहा गया है।

अमेरिका स्थित मिशिगन विश्वविद्यालय द्वारा किए गए एक अध्ययन में कहा गया है कि जलवायु के गर्म होने के कारण भारत में किसान सिंचाई के लिए भूजल का अधिक दोहन करने के लिए मजबूर हुए हैं। साइंस एडवांसेज पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, नतीजतन जल की घटी हुई उपलब्धता देश की 1.4 अरब आबादी के एक तिहाई से अधिक हिस्से की आजीविका को जोखिम में डाल सकती है, जिसके वैश्विक परिणाम हो सकते हैं। अध्ययन की वरिष्ठ लेखिका एवं विवि के स्कूल फॉर इंवायरोन्मेंट एंड सस्टेनेबलिटी में प्रोफेसर मेहा जैन ने कहा, भारत के भूजल का सबसे अधिक दोहन करने वाला देश होने और क्षेत्रीय एवं वैश्विक खाद्य आपूर्ति के लिए इसके (भूमिगत जल के) एक महत्वपूर्ण संसाधन होने चलते यह एक चिंता का विषय है। अध्ययन में, जलवायु के गर्म होने के चलते भूजल के दोहन में हालिया बदलावों का विश्लेषण किया गया है। इसके तहत भूजल के स्तर के ऐतिहासिक आंकड़ों और भारत में भूजल में कमी के भविष्य के आंकड़ों का आकलन किया गया। शोधार्थियों ने कहा कि, इसने उष्ण परिस्थितियों में सिंचाई बढ़ने की जरूरत पर भी गौर किया, जिससे जल की मांग बढ़ने की संभावना है। मुख्य लेखक निशान भट्टाराई ने कहा, हमारे मॉडल अनुमानों का उपयोग करते हुए, हमने यह अनुमान किया कि अभी जैसे परिदृश्य में तापमान बढ़ने से भविष्य में भूजल में तीन गुना कमी हो सकती है और दक्षिण एवं मध्य भारत सहित अधिक भूजल दोहन वाले क्षेत्रों का विस्तार हो सकता है। शोधार्थियों ने कहा कि ज्यादातर मॉडल में बढ़े हुए तापमान, मानसून की बढ़ी हुई बारिश (जून से सितंबर) और आने वाले दशकों में भारत में सर्दियों के मौसम में घटी हुई मात्रा में बारिश पर गौर किया गया है। भट्टाराई ने कहा कि भूजल का संरक्षण करने की नीतियों और हस्तक्षेप के बगैर, तापमान बढ़ने से भारत में भूजल में कमी की समस्या देश की खाद्य और जल सुरक्षा को और बढ़ा सकती है।

कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर घटा, डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर कर बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने देश में उत्पादन किए जाने वाले कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर घटा दिया है वहीं डीजल और एटीएफ (विमान ईंधन) के निर्यात पर उपकर बढ़ा दिया गया है। एक आधिकारिक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। देश में ही उत्पादन वाले कच्चे तेल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाने वाला कर घटाकर 6,700 रुपए प्रति टन कर दिया गया है, जो पहले 7,100 रुपए प्रति टन था। अधिसूचना के अनुसार, डीजल के निर्यात पर एसएईडी बढ़ाकर छह रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है, जो पहले 5.50 रुपए प्रति लीटर था। वहीं, विमान ईंधन पर एसएईडी दो रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर चार रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। पेट्रोल के निर्यात पर एसएईडी शून्य बना हुआ है। अधिसूचना के अनुसार, कर की नई दरें शनिवार से लागू हो गई हैं।

आदित्य-एल1 उपग्रह पृथ्वी की निचली कक्ष में सफलतापूर्वक स्थापित

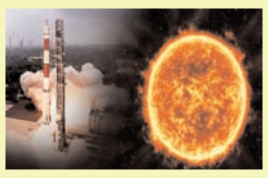

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने देश के पहले सूर्य मिशन के तहत आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान को शनिवार को पृथ्वी की कक्ष में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया। इसरो सूत्रों के मुताबिक 23 घंटे 40 मिनट की उल्टी गिनती समाप्त होने के साथ ही पूर्वाह्न 11.50 बजे पीएसएलवी-सी57 के जरिए शार रेंज से प्रक्षेपित आदित्य एल-1 को अब पृथ्वी की निचली कक्ष में स्थापित कर दिया गया है। इसी के साथ ही 125 दिनों की लंबे सफर में सूर्य के बाहरी वातावरण का अध्ययन करने का सिलसिला शुरू हो गया। उन्होंने बताया कि मिशन नियंत्रण केंद्र के वैज्ञानिक पूरे अभियान पर नजर रखे हुए हैं।

इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि आदित्य-एल1 सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष आधारित भारतीय मिशन है। सफल प्रक्षेपण के साथ ही सभी चार चरणों के प्रज्वलन और पृथक्करण के बाद रॉकेट को करीब 600 किलोमीटर की ऊंचाई पर निर्धारित कक्ष में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया।

उन्होंने कहा कि 15 लाख किलोमीटर की यात्रा करने के बाद अंतरिक्ष यान आदित्य-एल1 जनवरी 2024 के पहले सप्ताह में सूर्य के क्षेत्र में प्रवेश करेगा। करीब 1,475 किलोग्राम वजनी अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज प्वाइंट-1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किमी दूर है।

सोमनाथ ने कहा कि अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की निचली कक्ष में रखे जाने के बाद कक्ष को और अधिक अण्डाकार बनाया जाएगा और बाद में अंतरिक्ष यान को ऑन-बोर्ड प्रोपल्शन थ्रस्टर्स का उपयोग करके लैग्रेंज बिंदु एल1 की ओर प्रक्षेपित किया जाएगा। जैसे ही अंतरिक्ष यान एल1 की ओर बढ़ेगा यह पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र (एसओआई) से बाहर निकल जाएगा। एसओआई से बाहर निकलने के बाद, क्रूज चरण शुरू हो जाएगा और बाद में अंतरिक्ष यान को एल1 के चारों ओर एक बड़ी प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यू आर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी), बेंगलुरु में तैयार आदित्य-एल 1 अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज बिंदु 1 (एल 1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा, जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किमी दूर है।

कृष्णा जलाशय पर बगिना चढ़ाते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया एवं उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एवं अन्य।

कर्नाटक सरकार सूखा प्रभावित तालुका की घोषणा पर कल बैठक में फैसला करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार कम बारिश से जूझ रहीं तालुका को सूखा प्रभावित क्षेत्र घोषित करने के बारे में चार सितंबर को फैसला करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 113 तालुका की पहचान पहले ही सूखा प्रभावित के तौर पर की जा चुकी है तथा 73 और तालुका को इस सूची में शामिल किया जा सकता है, जहां एक संयुक्त सर्वेक्षण किया जाएगा।

सिद्दरामैया ने कहा, 'इस साल कम बारिश हुई है। जून में बारिश लगभग 56 फीसदी कम हुई। इसके बाद जुलाई में लगभग सामान्य बारिश हुई, लेकिन अगस्त में फिर बारिश में कमी आयी।' मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से यहां बातचीत में कहा कि सूखे की स्थिति की समीक्षा के लिए इस मामले में कैबिनेट की एक उप-समिति है, जिसकी तीन बैठकें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि चार सितंबर को उप समिति की एक बार फिर से बैठक हो रही है। इस उप समिति का नेतृत्व प्रदेश के राजस्व मंत्री कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सूखे के लिए 113 तालुका की पहचान की गई है, और संयुक्त सर्वेक्षण किया जा रहा है। चार सितंबर को मानदंडों के अनुसार उन्हें सूखाग्रस्त घोषित करने पर निर्णय लिया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक 73 अन्य तालुका भी सूखे का सामना कर रहे हैं, इसलिए वहां भी संयुक्त सर्वेक्षण का आदेश दिया गया है। सर्वेक्षण रिपोर्ट आने के बाद इन्हें भी सूखाग्रस्त घोषित करने पर निर्णय किया जाएगा। इसरो द्वारा आदित्य-एल1 उपग्रह के सफल प्रक्षेपण पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण पर इसरो वैज्ञानिकों को बधाई दी गयी है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा इसरो के वैज्ञानिकों की सराहना के तौर पर एक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने अलामट्टी में कृष्णा भाग्य जल निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कृष्णा जलाशय पर बगिना चढ़ाया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री और जल संसाधन मंत्री डीके शिवकुमार, जिला प्रभारी मंत्री एमबी पाटिल, मंत्री कृष्णाबैरे गौड़ा, विधायक एच.वाई. माटे, यशवन्त रायगौड़ा पाटिला, अशोक मनागुली, विठाला कटकडोंडा, सांसद रमेश जिगाजिनागी, पीसी गद्दीगौड़ा आदि उपस्थित थे।

इसरो चंद्र और सूर्य मिशन के बाद अंतरिक्ष की समझ बढ़ाने के लिए अन्य परियोजना के लिए तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतारने के एक पखवाड़े से भी कम समय में सूर्य के रहस्यों से पर्दा उठाने के लिए आदित्य-एल1' को रवाना करने के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अब अंतरिक्ष की समझ को और बढ़ाने के लिए अन्य परियोजना के साथ तैयार है। एक्पोसैट (एक्सर रे पोलारिमीटर सैटेलाइट) भारत का पहला समर्पित पोलारिमेट्री मिशन है जो कठिन परिस्थितियों मे भी चमकीले खगोलीय एक्सरे स्रोतों के विभिन्न आयामों का अध्ययन करेगा।

इसके लिए पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष यान भेजा जाएगा जिसमें दो वैज्ञानिक अध्ययन उपकरण (पेलोड) लगे होंगे। इसरो ने बताया कि 'प्राथमिक उपकरण पोलिक्स' (एक्सरे में पोलारिमीटर उपकरण) खगोलीय मूल के 8-30 केवी फोटॉन की मध्यम एक्स-रे ऊर्जा रेंज में पोलारिमेट्री मापदंडों (ध्रुवीकरण की डिग्री और कोण) को मापेगा। इसरो के अनुसार, एक्सस्पेक्ट' (एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी और टाइमिंग) पेलोड 0.8-15 केवी की ऊर्जा रेंज में स्पेक्ट्रोस्कोपिक (भौतिक विज्ञान की एक शाखा जिसमें पदार्थों द्वारा उत्सर्जित या अवशोषित विद्युत चुंबकीय विकिरणों के स्पेक्ट्रमों का अध्ययन किया जाता है और इस अध्ययन से पदार्थों की आंतरिक रचना का ज्ञान प्राप्त किया जाता है) की जानकारी देगा।

इसरो के एक अधिकारी ने बेंगलूरु स्थित मुख्यालय में कहा, एक्सपोसैट प्रक्षेपण के लिए तैयार है। इसने कहा कि ब्लैकहोल, न्यूट्रॉन तारे, सक्रिय गैलेक्टिक नाभिक, पल्सर पवन निहारिका जैसे विभिन्न खगोलीय स्रोतों से उत्सर्जन तंत्र जटिल भौतिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न होता है और इसे समझना चुनौतीपूर्ण है। अंतरिक्ष एजेंसी के अधिकारियों का कहना है कि हालांकि विभिन्न अंतरिक्ष-आधारित वेधशालाओं द्वारा प्रचुर मात्रा में स्पेक्ट्रोस्कोपिक जानकारी प्रदान की जाती है, लेकिन ऐसे स्रोतों से उत्सर्जन की सटीक प्रकृति को समझना अभी भी खगोलविदों के लिए चुनौतीपूर्ण है।

इसरो ने कहा, पोलारिमेट्री माप हमारी समझ में दो और आयाम जोड़ते हैं, ध्रुवीकरण की डिग्री और ध्रुवीकरण का कोण और इस प्रकार यह खगोलीय स्रोतों से उत्सर्जन प्रक्रियाओं को समझने का एक उत्कृष्ट तरीका है।

श्रीरंगपट्टनम् में केआरएस बांध से छोड़े गए कावेरी के पानी के विरोध में किसानों ने सिर पर पत्थर रखकर विरोध प्रदर्शन किया।

तमिलनाडु को कावेरी का जल

कर्नाटक सरकार उच्चतम न्यायालय के समक्ष जमीनी स्थिति बयां करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार कावेरी नदी का जल तमिलनाडु को छोड़े जाने के मुद्दे पर कोवरी जल प्रबंधन प्राधिकरण और उच्चतम न्यायालय के समक्ष जमीनी हकीकत बयां करेगी। मुख्यमंत्री ने कम बारिश होने के चलते कावेरी नदी के जलग्रहण क्षेत्र में सूखे की स्थिति रहने को रेखांकित करते हुए कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मिलने का समय मांगा है।

सिद्दरामैया ने कहा कि वह मंजूरी का इंतजार कर रहे अन्य लंबित परियोजनाओं के साथ-साथ इस मुद्दे पर राज्य के हित का संरक्षण करने के लिए एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, (दूसरे राज्य को देने के लिए) हमारे पास जल नहीं है, इसके बावजूद कावेरी जल नियमन समिति ने कहा है कि हमें प्रतिदिन (तमिलनाडु को) 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ना है। पहले उन्होंने 15,000 क्यूसेक कहा था, जिसके बाद हमारे आग्रह करने पर उन्होंने इसे घटा कर 10,000 क्यूसेक कर दिया, अब हमारी अपील के बाद वे मिले और कहा कि 5,000 क्यूसेक जारी किया जाना चाहिए।

सिद्दरामैया ने यहां संवाददाताओं से कहा कि तमिलनाडु ने 24,000 क्यूसेक पानी छोड़ने की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय में एक अपील की है। उन्होंने कहा, कहां से हम इतनी मात्रा में पानी छोड़ेंगे? हमें फसलों को बचाना है, पेयजल उपलब्ध करना है। हम अपनी पेयजल जरूरतों और हमारे किसानों की फसलों को बचा कर राज्य के हित की सुरक्षा करेंगे। हम जमीनी तथ्यों को कोवरी जल प्रबंधन प्राधिकरण और उच्चतम न्यायालय के समक्ष रखेंगे।

प्राधिकरण ने कर्नाटक को 29 अगस्त से अगले 15 दिनों तक प्रतिदिन 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया है। इसने कोवरी जल नियमन समिति की सिफारिश के आधार पर यह फैसला लिया है। सिद्दरामैया ने कहा, हमारे जल संसाधन मंत्री (डी के शिवकुमार) ने राज्य की कानूनी टीम से मुलाकात की और उसे जमीनी हकीकत से अवगत कराया है। साथ ही, उसे इस बारे में आवश्यक निर्देश दिये कि राज्य की दलील में क्या आधार होना चाहिए क्योंकि मामला (तमिलनाडु के उल्लेख करने पर उच्चतम न्यायालय के समक्ष) बुधवार को आ रहा है। तमिलनाडु को पानी छोड़ने के कर्नाटक सरकार के कदम के खिलाफ कावेरी नदी के आसपास के क्षेत्रों में स्थित मैसूरु, मंड्या और चामराजनगर के कई किसान संगठनों ने प्रदर्शन किये हैं।

इसरो-चंदयान विश्राम हम लैंडर और रोवर को विश्राम देने की प्रक्रिया में हैं : एस सोमनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) प्रमुख एस सोमनाथ ने शनिवार का कहा कि चंद्रयान -3 मिशन से जुड़ी टीम विक्रम लैंडर और रोवर को विश्राम देने की प्रक्रिया में है। इसरो प्रमुख ने आज भारत के महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट आदित्य एल 1 को सफलतापूर्वक पृथ्वी की इच्छित कक्षा में स्थापित किये जाने के बाद श्रीहरिकोटा में इसरो वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा हम दोनों (विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर) को विश्राम देने की प्रक्रिया पर काम कर रहे हैं।

इसरो प्रमुख ने कहा कि लैंडर के भीतर रखकर भेजे गये रोवर ने सफलतापूर्वक चंद्रमा की सतह पर कदम रखने के बाद 100 मीटर तक चहलकदमी की है। लैंडर को चंद्रमा पर शिवशक्ति बिंदु पर उतारे जाने के बाद इस हिस्से पर अंधेरा होने से पहले कुछ दिनों का काम और बाकी है। उन्होंने कहा कि विक्रम और प्रज्ञान अंधेरे में रहते हुए अपने सौर पैनलों को बिजली बनाने से रोक देंगे और अगर 14 दिन बाद भी वह काम कर पाये तो यह बोनस होगा।

उल्लेखनीय है कि इसरो के वैज्ञानिकों ने 23 अगस्त को चंद्रयान-3 को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतार कर नया इतिहास रच दिया। दुनिया का कोई भी देश चांद की इस कठिन सतह पर नहीं पहुंचा है। इसके अलावा इसरो ने अपने पहले सूर्य मिशन के तहत आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की कक्ष में सफलतापूर्वक स्थापित करके अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है।

इसरो सूत्रों के मुताबिक 23 घंटे 40 मिनट की उल्टी गिनती समाप्त होने के साथ ही आज पूर्वाह्न 11.50 बजे पीएसएलवी-सी57 के जरिए शार रेंज से प्रक्षेपित आदित्य एल-1 को अब पृथ्वी की निचली कक्ष में स्थापित कर दिया गया है।

मंत्री प्रियांक खरगे ने पूछा

ऑपरेशन लोटस के लिए धन का स्रोत क्या है?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष ने दावा किया था कि कांग्रेस के 40 से 45 विधायक उनके संपर्क में हैं और वह एक दिन में ऑपरेशन लोटस चला सकते हैं। बीएल संतोष के इस दावे पर राज्य के मंत्री प्रियांक खरगे ने शनिवार को उक्त कार्रवाई को अंजाम देने के लिए धन के स्रोत पर सवाल उठाया है। कांग्रेस ने कहा, खुला झूठ फैलाने से पहले संतोष को अपनी पार्टी के विधायकों से संपर्क स्थापित करने और उनका विश्वास जीतने की कोशिश करनी चाहिए। कर्नाटक कांग्रेस ने शुक्रवार को संतोष के दावे को 'सदी का मजाक' करार दिया था।

प्रियांक खरगे ने कहा, मैं उन्हें एक महीने का समय दूंगा। उन्हें 45 में से कम से कम चार विधायकों को बाहर निकालने दीजिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवकों का दावा है कि वे किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं हैं। लेकिन, वे भाजपा दफ्तर जाते हैं और भाजपा पार्टी के नेताओं को उपदेश देते हैं। आपके ही विधायक कह रहे हैं कि लिंगायत समुदाय के नेताओं को टिकट नहीं दिया गया। उनका यह भी दावा है कि राज्य बीजेपी में संतोष के गुट के लिए लिंगायतों को दरकिनार कर दिया गया। लेकिन, रणनीति विफल रही। पहले संतोष को इन आरोपों का जवाब देने दीजिए बाद में वह कांग्रेस पार्टी के बारे में बात कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलूरु में भाजपा पार्टी कार्यालय में आयोजित एक बैठक में बोलते हुए, संतोष ने कहा था कि वह एक दिन में ऑपरेशन लोटस (विपक्षी विधायकों को तोड़ना और सरकार बनाना) को अंजाम दे सकते हैं क्योंकि कांग्रेस नेता उनके संपर्क में हैं। हालांकि, उन्होंने कहा, अभी हम ऐसा नहीं चाहते। हम सरकार बनाने का कोई प्रयास नहीं कर रहे हैं।

संतोष ने यह भी कहा था कि बीजेपी का कोई भी नेता कांग्रेस में शामिल नहीं हो रहा है। मान लीजिए कि अगर 10 नेता हमारी पार्टी छोड़ देते हैं, तो हम हमेशा ऐसे नेताओं को ला सकते हैं जो उनके बराबर सक्षम और समान हों।

लोगों का दावा था है कि पार्टी 2013 में खत्म हो जाएगी लेकिन आंतरिक लड़ाई के बावजूद हमने 40 सीटें जीतीं। साल 2023 में हमने 60 सीटें जीतीं। हम एक विपक्षी दल के रूप में और अधिक शक्तिशाली हो गए हैं।

'आदित्य-एल1' मिशन को साकार करने में इसरो के पूर्व अध्यक्ष यू आर राव की भूमिका को याद किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत के महत्वाकांक्षी सूर्य मिशन 'आदित्य एल1' के सफल प्रक्षेपण के साथ ही इसरो के पूर्व प्रमुख यू. आर. राव के सपने और प्रारंभिक चरण में इसे साकार करने में उनके योगदान को याद किया गया। इसरो के अनुसार, प्यार से भारत के उपग्रह कार्यक्रम के जनक कहे जाने वाले प्रोफेसर राव विशेष रूप से आदित्य मिशन को लेकर उत्साहित थे। उन्होंने अभियान को और अधिक सार्थक एवं समकालीन बनाने के लिए इसके कक्षीय मापदंडों सहित मिशन के उद्देश्यों में पूरी तरह से सुधार सुनिश्चित किया।

राव के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए इसरो की वेबसाइट पर कहा गया-प्रो. राव का धन्यवाद, आदित्य-एल1 'लैग्रेंज बिंदु एल1' में स्थापित होने वाला भारत का पहला मिशन होगा, जो पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर की दूरी पर स्थित कक्षीय विन्यास में मुक्ति बिंदुओं में से एक है। इसरो ने शनिवार को पीएसएलवी-सी57 प्रक्षेपण यान के जरिए 'आदित्य-एल1' का सफल प्रक्षेपण किया।

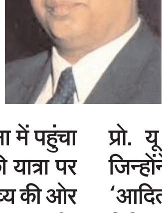

यान ने अब उपग्रह को इच्छित कक्षा में पहुंचा दिया है, जहां से वह 125 दिन की यात्रा पर सूर्य-पृथ्वी एल1 बिंदु के अपने गंतव्य की ओर आगे बढ़ेगा। अंतरिक्ष यान को अंततः सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज बिंदु-1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया जाएगा। एल1 बिंदु के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में रखे जाने पर उपग्रह को सूर्य को बिना किसी रुकावट या ग्रहण के लगातार देखने का प्रमुख लाभ होता है। इससे वास्तविक समय में सौर गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम पर इसके प्रभाव को देखने का अधिक लाभ मिलता है। सफल प्रक्षेपण के बाद 'आदित्य-एल1' की परियोजना निदेशक निगार शाजी ने यू आर राव का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने टिप्पणी की, इस समय, मैं प्रो. यू आर राव को याद करना चाहूंगी, जिन्होंने इस मिशन के लिए बीज बोया था। 'आदित्य एल1' के प्राथमिक उपकरण विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ' (वीईएलसी) का निर्माण करने वाले भारतीय ताराभौतिकी संस्थान (आईआईए) के प्रोफेसर जगदेव सिंह ने मिशन के लिए गंतव्य के रूप में 'एल1' को निर्धारित करने में राव द्वारा निभाई गई भूमिका को याद किया। उन्होंने कहा, इसरो ने सबसे पहले हमें (आईआईए) 50 सेमी का एक छोटा मंच प्रदान किया... बाद में, जब हम उपकरण बनाने के आधे रास्ते पर थे, उस समय यह विचार आया कि क्या हम साल में पूरे 365 दिन और 24 घंटे सूर्य का अध्ययन करना चाहते हैं, जब हम पृथ्वी की निचली कक्षा में जाते हैं और उपग्रह को ध्रुवीय कक्षा में स्थापित करते हैं, तब सूर्य पर ग्रहण लगने पर कुछ स्थितियां होंगी और हम पृथ्वी की निचली कक्षा में सूर्य का निरीक्षण नहीं कर पाएंगे। तो फिर इसरो, विशेष रूप से प्रो. यू आर राव ने सुझाव दिया कि पृथ्वी की निचली कक्षा के बजाय हम एल1 पर जा सकते हैं। सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष यान को एल1' में स्थापित करने की योजना के साथ, वीईएलसी के साथ अन्य छह उपकरण जोड़े गए और उपग्रह बहुत बड़ा हो गया तथा मिशन भी बड़ा हो गया।

महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा योजना के खिलाफ निजी ट्रांसपोर्टरों का बंद का आह्वान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि वह महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा योजना के मामले पर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी से चर्चा करेंगे। उनका आश्वासन 11 सितंबर को योजना के कार्यान्वयन का विरोध करते हुए शहर में निजी परिवहन संगठनों द्वारा बंद के आह्वान के मद्देनजर आया है।

निजी ट्रांसपोर्ट मालिकों का दावा है कि योजना लागू होने के बाद उनके कारोबार में भारी गिरावट आई है। ऑटो रिक्शा चालक, निजी टैक्सी चालक, स्कूल बस और कैब मालिक सहित लगभग 32 संगठन एक साथ आए हैं।

यूनियनों ने पहले कांग्रेस सरकार को कई मांगें सौंपी थीं। प्रमुख मांगों में प्रत्येक ड्राइवर को 10,000 रुपये की वित्तीय सहायता और बाइक टैक्सियों पर प्रतिबंध शामिल है। पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि, कुछ जिलों में कोई सरकारी बसें नहीं हैं और केवल निजी बसें चलती हैं। हम कुछ पता लगा लेंगे। हम जानते हैं कि लोग निजी परिवहन सुविधाओं का उपयोग नहीं कर रहे हैं। समाधान ढूंढ़ने की जरूरत है।

पिता ने बेटी की हत्या कर शव कुएं में फेंका था, आजीवन कारावास की सजा

तुमकुरु/दक्षिण भारत। यहां पर एक व्यक्ति ने अपनी बेटी की हत्या करने के बाद उसके शव को कुएं में फेंक दिया था। इस मामले में स्थानीय अदालत ने शनिवार को आरोपी पिता को कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इस घटना में कोराटागेरे तालुक के वेंकटपुरा गांव के निवासी नरसिम्हामूर्ति दोषी है। यह घटना 4 दिसंबर 2018 की है। व्यक्ति ने अपनी चार वर्षीय बेटी सिंधु की हत्या कर दी थी क्योंकि वह उसे अपनी दूसरी शादी में बाधा मानता था।

उसने शव को कुएं में फेंका और फरार हो गया। कोलाला पुलिस ने लड़की के लापता होने का मामला दर्ज किया था, पुलिस आरोपी को पकड़ने में कामयाब रही। लगातार पूछताछ करने पर आरोपी ने अपराध कबूल कर लिया था। इस संबंध में कोलाला पुलिस ने नरसिम्हामूर्ति के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। न्यायाधीश केबी गीता ने फैसला सुनाया था और सरकारी वकील एस राजन्ना ने मामले की पैरवी की थी। नरसिम्हामूर्ति ने कबूल किया था कि उसे अपनी पहली पत्नी पर बेवफाई का शक था, और उसने दूसरी शादी करने का फैसला किया था।

इसरो के सूर्य मिशन में यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने किया सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। देश के पहले सूर्य मिशन के तहत 'आदित्य एल1' यान का शनिवार को प्रक्षेपण किए जाने के बीच यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) इस मिशन में दो महत्वपूर्ण तरीकों से सहयोग कर रही है। ईएसए गहन अंतरिक्ष संचार सेवाएं उपलब्ध कराने के अलावा अहम उड़ान गतिशीलता सॉफ्टवेयर को सत्यापित करने में भी इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) की सहायता कर रही है। ईएसए ने कहा कि संचार हर अंतरिक्ष मिशन का एक अहम हिस्सा होता है और जमीन पर स्थित स्टेशन (ग्राउंड स्टेशन)के समर्थन के बिना अंतरिक्ष यान से कोई वैज्ञानिक डेटा हासिल करना असंभव है। इसने कहा कि यह जानने के लिहाज से भी संचार अहम है कि अंतरिक्ष यान कैसे काम कर रहा है, यह सुरक्षित है या नहीं और यह कहां स्थित है।

ईएसए के सेवा प्रबंधक और क्रॉस सपोर्ट संपर्क अधिकारी रमेश चेल्लाथुरई ने कहा, ईएसए के गहन अंतरिक्ष ट्रैकिंग स्टेशन के वैश्विक नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त तकनीकी मानकों की मदद से हम अपने सहयोगियों का निगरानी करने, निर्देशित करने और सौर तंत्र में कहीं भी उनके अंतरिक्ष यान से डेटा हासिल करने में सहयोग करने में सक्षम हैं। चेल्लाथुरई ने एक बयान में कहा, 'आदित्य एल-1 मिशन के लिए हम ऑस्ट्रेलिया, स्पेन और अर्जेंटीना स्थित अपने 35 मीटर गहरे सभी तीन अंतरिक्ष एंटीना से सहयोग कर रहे हैं। इसके अलावा फ्रेंच गुयाना स्थित कौरू स्टेशन से सहयोग करने के साथ ब्रिटेन स्थित अर्थ स्टेशन' से समन्वित सहयोग कर रहे हैं।'

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं. B/TRD.2023-24/07
दिनांक: 25.08.2023

अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
[I] बेंगलुरु-जोलारपेट्टई खंड-कम इम्प्लांटेशन के साथ मास्ट का स्थानांतरण चरण-3 [ii] निदवंडा स्टेशन में येलहंका छोर पर एक अतिरिक्त क्रॉसओवर के प्रावधान के कारण ओएचई में संशोधन।	रू. 1,82,97,612.97

बोली जमा करने की अंतिम तिथि:
18.09.2023 की 15:00 बजे तक।

विवरण के लिए लॉग ऑन करें: www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता
टीआरडी/बेंगलुरु

PUB/346/AAV/PRB/SWR/2023-24

S.W.Railways SWRRLY SWRRLY

गहलोत राज में भ्रष्टाचार की खुली छूट : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सवाई माधोपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शनिवार को महिलाओं के खिलाफ अपराध, भ्रष्टाचार और अन्य मुद्दों को लेकर राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए लोगों से आह्वान किया कि अगर वे राज्य में परिदृश्य बदलना चाहते हैं तो सरकार बदलें। उन्होंने अशोक गहलोत सरकार को घरों को लूटने वाली 'गृह-लूट' सरकार बताते हुए कहा कि सरकार ने विधायकों को भ्रष्टाचार की खुली छूट दे दी है और पैसा दिल्ली में पार्टी के 'आकाओं' की जेब भरने के लिए भेजा जाता है।

विपक्षी दलों के गठबंधन पर नड्डा ने कहा कि उन्हें जनता की परवाह नहीं है और उन्हें अपना परिवार बचाने की चिंता है इसलिए वे प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ इकट्ठा हुए हैं। नड्डा ने यहां परिवर्तन यात्रा की शुरुआत पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा यह गहलोत सरकार नहीं है, यह 'गृह-लूट' सरकार है, जो घरों को लूटती है। कांग्रेस का मतलब लूट, भ्रष्टाचार और कुशासन है। उन्होंने कहा,भ्रष्टाचार करके वे दिल्ली में अपने आकाओं की जेब भरने का काम करते हैं। उन्हें राजस्थान की शांति और खुशी की परवाह नहीं है, उनकी इच्छा भ्रष्टाचार करना, विधायकों को खुली छूट देना, खुली लूट का प्रावधान करना और यह सुनिश्चित करना है कि यह पैसा दिल्ली में बैठे आकाओं के पास जाए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को देश की नहीं बल्कि राहुल गांधी की 'रीलॉन्च' की चिंता है। इसी तरह उन्होंने अन्य पार्टियों के नेताओं का भी नाम लिया और कहा कि उन्हें सिर्फ अपना परिवार बचाने की चिंता है। नड्डा ने कहा,वे कहते हैं कि मोदी को हटाओ क्योंकि वे अपने परिवारों के बारे में चिंतित हैं। हम कहते हैं कि मोदी को आगे बढ़ाओ और देश को आगे ले जाओ। उन्होंने इसरो के वैज्ञानिकों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आदित्य एल 1 मिशन के सफल प्रक्षेपण के लिए भी बधाई दी।

उन्होंने कहा-'गहलोत सरकार के कुशासन से आम जनता त्रस्त हो गई है। इसलिए भाजपा कार्यकर्ता को इस कुशासन को खत्म करने के लिए कमर कस लेनी चाहिए। यह गहलोत सरकार नहीं, गृह लूट सरकार है। इसे राजस्थान की सुख, शांति, अमन-चैन की कोई परवाह नहीं है। इस सरकार में विधायकों को खुली छूट दी है। ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकना चाहिए।' उन्होंने कहा कि इस सरकार का मतलब लाल डायरी है। जो मंत्री इसके खिलाफ आवाज उठाता है। उसे बर्खास्त कर दिया जाता है। ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकना चाहिए। नडडा ने कहा- कल वे लोग मुंबई में इकट्ठा होकर मोदी हटाओ की बात कह रहे थे। हम कह रहे हैं कि मोदी को मजबूत करके देश को आगे बढ़ाना हैं। मोदी को इसलिए हटाना चाहते हैं, क्योंकि परिवार को बचाना है। मोदी के रहते परिवारवाद नहीं हो सकता। कांग्रेस को देश की नहीं, राहुल बाबा की चिंता है। लालू यादव ने चारा खाया, अब बेल पर है। लालू को तेज प्रताप और तेजस्वी की चिंता है। उन्हें देश की नहीं, बेटों की चिंता है। ममता बनर्जी को देश की नहीं, भतीजे की चिंता है। शरद पवार को सुप्रिया की चिंता है। करुणानिधि का बेटा स्टालिन, ये परिवार बचाने चले हैं। इन्हें देश की चिंता नहीं है।

गहलोत सरकार को जनता के नहीं, ख़ुद के हितों की चिंताः वसुंधरा राजे

सवाई माधोपुर। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कहा है कि राजस्थान के हिस्से का एक बूँद भी पानी कम नहीं होने देंगे। चाहे उन्हें कितना ही खून-पसीना बहाना पड़े। उन्होंने कहाकि गहलोत सरकार को जनता के हितों की नहीं बल्कि ख़ुद के हितों की चिंता है। वे परिवर्तन यात्रा के शुभारंभ के अवसर पर सवाई माधोपुर में बोल रही थीं।

राजे ने कहाकि ईआरसीपी को जमीन पर लाने के लिए उनकी भाजपा सरकार ने 25 अगस्त, 2005 को मध्य प्रदेश के साथ नदियों के पानी के बँटवारे को लेकर समझौता किया था। लेकिन, दुर्भाग्य से गहलोत सरकार आ गई और ईआरसीपी ठंडे बस्ते में डाल दी गई। हमारी सरकार दुबारा आई तो हमने डीपीआर बना कर इसका काम आगे बढ़ाया।

वर्ष 2017-18 व 2018-19 में बजट घोषणा कर नवनेरा बैराज और ईसरदा बांध का काम शुरू किया। लेकिन, कांग्रेस सरकार ने ईआरसीपी को पूरा करने के लिए साढ़े 4 साल में कोई गंभीर प्रयास नहीं किए। इसलिए 13 जिलों की जनता प्यासी रही। जबकि मध्य प्रदेश ने तो समझौते के अनुसार मोहनपुरा और कुंडालिया बांध बना भी लिए। जिनसे उस क्षेत्र को 2.25 लाख हैक्टेयर में सिंचाई और पीने के लिए पानी मिलेगा। तीसरे बांध पाटनपुर का काम भी निर्माणाधीन है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के हितों पर कुठाराघात नहीं होने देंगे। कमल खिलाएंगे। भाजपा को लाएंगे।

महिला को निर्वस्त्र घुमाने का मामला

सात आरोपी गिरफ्तार, चार हिरासत में, जांच के लिए एसआईटी गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के एक गांव में 21 वर्षीय एक आदिवासी महिला को कथित तौर पर निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले में पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है और चार अन्य को हिरासत में लिया है। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कैमरे में कैद हुई इस घटना की विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने आलोचना की है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भीलवाड़ा से प्रतापगढ़ के धरियावद जाकर पीड़ित महिला और उसके परिजनों से मुलाकात करेंगे।

इस बीच, प्रतापगढ़ के धरियावद थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले की जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) दिनेश एमएन की निगरानी में पांच सदस्यीय एसआईटी (विशेष जांच दल) गठित की गई है, जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसआईयूसीएडब्ल्यू प्रतापगढ़ ऋषिकेश मीणा, सीओ धरियावद धनफूल मीणा, सीओ मावली उदयपुर कैलाश कुंवर, धरियावद थानाधिकारी पेशावर खान और महिला कांस्टेबल साइबर थाना प्रतापगढ़ पूजा शामिल हैं। प्रतापगढ़ जिले के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है ओर चार अन्य को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने कहा कि एसआईटी घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रिपोर्ट राज्य सरकार और पुलिस मुख्यालय को सौंपेगी तथा तकनीकी एवं वैज्ञानिक रूप से साक्ष्य जुटाकर प्रकरण का समयबद्ध निस्तारण करेगी। मिश्रा ने बताया कि धरियावद थाना क्षेत्र के एक गांव में विवाहिता को वैवाहिक विवाद के चलते उसके ससुराल वालों द्वारा निर्वस्त्र कर घुमाने का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद धरियावद थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), स्त्री अशिष्ट रूप प्रतिषेध अधिनियम व सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन, संभागीय आयुक्त धरियावद, आईजी बांसवाड़ा रेंज एस परिमला, कलेक्टर इंद्रजीत यादव, एसपी अमित कुमार मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मिश्रा के अनुसार, आरोपियों को नामजद कर उनकी गिरफ्तारी के लिए सीओ आशीष कुमार, श्योराज मल मीणा और धनफूल मीणा के नेतृत्व में 30 टीमों का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि गठित टीमों ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए उनके सभी संभावित स्थानों पर दबिश दी।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के अंदर मुख्य आरोपी कान्हा गमेती के अलावा नाथू, वेणिया और एक नाबालिग को हिरासत में ले लिया, जबकि सात आरोपियों-पिंटू, खेतिया, मोती लाल, पुनिया, केसरा, सूरज तथा नेतिया को गिरफ्तार किया। मिश्रा ने बताया कि इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करने वालों के खिलाफ भी विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। राजस्थान राज्य मानवाधिकारी आयोग ने प्रतापगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक को पीड़िता को तुरंत आर्थिक सहायता मुहैया कराने और मामले की गहन जांच करने का निर्देश दिया है।

आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गोपाल कृष्ण व्यास ने पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया है कि वह प्रतिकर नीति 2011 के तहत क्षतिपूर्ति देने के लिए पीड़िता का प्रकरण जिला विधिक सहायत समिति, प्रतापगढ़ को प्रेषित करें, जिससे उसे तुरंत आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके। उन्होंने मामले की जांच कर 14 सितंबर तक रिपोर्ट पेश करने को भी कहा है। इससे पहले, पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने एक बयान में कहा था कि प्राथमिकी में छेड़छाड़, महिला की पिटाई और अन्य संबंधित धाराओं के तहत 10 लोगों को नामित किया गया है, जिनमें से मुख्य आरोपी समेत आठ को हिरासत में लिया गया है। मिश्रा ने बताया था कि पीड़िता ने अपने पति कान्हा गमेती के अलावा सूरज, बेनिया, नेतिया, नाथू और महेंद्र के खिलाफ जबरन मोटरसाइकिल पर ले जाने और गांव में निर्वस्त्र कर घुमाने का मामला दर्ज कराया है।

बयान में गया था, मुख्य आरोपी कान्हा, नेतिया, बेनिया, पिंटू और एक नाबालिग के अलावा अपराध के प्रत्यक्षदर्शी पुनिया, खेतिया और मोतीलाल को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया था कि भागने की कोशिश में कान्हा, नेतिया और बेनिया घायल हो गए और उनका इलाज प्रतापगढ़ जिला अस्पताल में किया जा रहा है। बयान के अनुसार, बाकी आरोपियों की तलाश जारी है। इलाके में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। धरियावद के थाना प्रभारी पेशावर खान ने कहा था कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि महिला किसी अन्य पुरुष के साथ रिश्ते में थी। पुलिस ने बताया कि महिला के ससुराल वाले उसे अगवा कर अपने गांव ले गए, जहां बृहस्पतिवार को यह घटना घटी। उसने बताया कि पीड़िता के ससुराल वाले उससे नाराज थे, क्योंकि वह दूसरे पुरुष के साथ रह रही थी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छह टीमें गठित की गई हैं और प्रतापगढ़ के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार गांव में डेरा डाले हुए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने एडीजी (अपराध) दिनेश एमएन को शुक्रवार रात प्रतापगढ़ भेजा।

घर की आटा चक्की से करंट लगने से दो बच्चों समेत चार की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले के शिव थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात को घर की आटा चक्की से करंट लगने से एक ही परिवार के दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। रामसर सर्किल अधिकारी अनिल सारण ने बताया कि आरंग गांव निवासी अर्जुन सिंह के घर में आटा चक्की से करंट लगने से उसकी पत्नी छेलू कंवर (23), उसके दो बच्चे-ढाई साल का जस्सू और एक साल का प्रताप तथा ससुर हठेसिंह (55) की मौत हो गई। सारण ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि मां को करंट लगने के बाद बच्चे नजदीक पहुंचे तो वो भी करंट की चपेट में आ गये और उन्हें बचाने के फेर में हठेसिंह भी करंट की चपेट में आ गए।

उन्होंने बताया कि हादसे के समय अर्जुन सिंह घर से बाहर गए हुए थे। शवों को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जोधपुर के वकील न्यायपालिका पर गहलोत की 'भ्रष्टाचार' टिप्पणी के खिलाफ हड़ताल पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की न्यायपालिका पर भ्रष्टाचार संबंधी टिप्पणी के खिलाफ जोधपुर की निचली अदालतों और उच्च न्यायालय के हजारों वकील शुक्रवार को एक दिन की हडताल पर रहे जिससे अदालती कामकाज प्रभावित हुआ। उच्च न्यायालय अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष रणजीत जोशी ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री ने माफी नहीं मांगी तो हड़ताल तेज की जाएगी। एसोसिएशन के महासचिव गिरधर सिंह भाटी ने दावा किया कि गहलोत का बयान कार्यपालिका में भ्रष्टाचार को रोकने में उनकी मजबूरी को प्रदर्शित करता है।

गहलोत ने बुधवार को कहा था कि कुछ न्यायाधीश वकीलों द्वारा तैयार किए गए आदेशों को पढ़ते हैं। उन्होंने आरोप लगाया था, आज न्यायपालिका में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार व्याप्त है। हालांकि, एक दिन बाद, गहलोत ने कहा कि बयान उनकी व्यक्तिगत राय को प्रतिबिंबित नहीं करता है। जोशी ने कहा कि गहलोत खुद एसोसिएशन के सदस्य अधिवक्ता और तीन बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं और उनके लिए इस तरह का गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार करना और न्यायपालिका के खिलाफ बयान देना बेहद अशोभनीय है। कार्यपालिका में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए, भाटी ने कहा, गहलोत अपनी सरकार में इस भ्रष्टाचार को रोकने में बुरी तरह विफल रहे हैं। यह बयान इस विफलता को छिपाने और लगभग हर दिन सुर्खियां बन रहे भ्रष्टाचार से लोगों का ध्यान हटाने के लिए दिया गया है।

मुख्यमंत्री को दिए अपने ज्ञापन में, एसोसिएशन ने गहलोत से सार्वजनिक माफी की मांग की और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। भाटी ने कहा कि गहलोत का बयान अदालत की अवमानना की श्रेणी में आता है और एसोसिएशन विचार-विमर्श के बाद मुख्यमंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का प्रस्ताव रखेगी। इससे पहले दिन में, राजस्थान उच्च न्यायालय अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि भंसाली ने कहा कि जोधपुर में लगभग 10,000 वकील हैं और उन सभी ने स्वेच्छा से काम का बहिष्कार किया है।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने न्यायपालिका के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की है और अधिवक्ता आज एक दिन के प्रतीकात्मक विरोध के रूप में काम नहीं कर रहे हैं। भंसाली ने कहा कि बहिष्कार के कारण अदालत में सुनवाई भी प्रभावित हुई। प्रदर्शन कर रहे वकीलों ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को एक ज्ञापन भी सौंपा। जयपुर में बुधवार को संवाददाताओं से बातचीत में गहलोत ने कहा था, आज न्यायपालिका में भ्रष्टाचार व्याप्त है। मैंने सुना है कि कुछ वकील खुद ही फैसला लिखकर लाते हैं और वही फैसला सुनाया जाता है। बाद में, एक अधिवक्ता ने राजस्थान उच्च न्यायालय में याचिका दायर की और एक अन्य ने गहलोत के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने की सहमति के लिए राज्य के महाधिवक्ता को एक आवेदन भेजा।

न्यायपालिका में 'भ्रष्टाचार' संबंधी टिप्पणी को लेकर गहलोत को कारण बताओ नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने शनिवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को उस जनहित याचिका पर कारण बताओ नोटिस जारी किया, जिसमें न्यायपालिका पर टिप्पणी का स्वत: संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया गया था। न्यायपालिका में 'भ्रष्टाचार' की तरफ इशारा करने वाली गहलोत की टिप्पणी के बाद स्थानीय अधिवक्ता शिवचरण गुप्ता ने बृहस्पतिवार को यह जनहित याचिका दायर की थी।

न्यायमूर्ति एम एम श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने शनिवार को याचिका पर सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। गहलोत ने बुधवार को जयपुर में संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया था कि न्यायपालिका में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार व्याप्त है। उन्होंने कहा था, मैंने सुना है कि कई वकील तो फैसला लिखकर ले जाते हैं और वही फैसला सुनाया भी जाता है। हालांकि, आलोचना के बाद मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया था कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के संबंध में उन्होंने एक दिन पहले जो कहा था, वह उनकी निजी राय नहीं थी और उन्होंने हमेशा न्यायपालिका का सम्मान किया है तथा उसमें विश्वास जताया है। गहलोत की टिप्पणी के विरोध में शुक्रवार को जोधपुर में अधिवक्ताओं ने उच्च न्यायालय और निचली अदालतों में काम का बहिष्कार किया था।

प्रतापगढ़ मामले में पीड़ित महिला से मिले मुख्यमंत्री - पीड़िता को मिलेगी 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता एवं सरकारी नौकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को प्रतापगढ़ के धरियावद पहुंचकर दुर्व्यवहार के मामले में पीड़ित महिला एवं उसके परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सभ्य समाज में इस तरह की घटनाओं तथा उनमें लिप्त अपराधियों का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी अमानवीय घटनाओं की एक स्वर में निंदा होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन अपराधियों को त्वरित अदालत में मुकदमा चलाकर कड़ी से कड़ी सजा दिलवाई जाएगी। इस दौरान गहलोत ने पीड़ित महिला को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

तथा सरकारी नौकरी देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के विरूद्ध अपराधों की रोकथाम उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रतापगढ़ घटना में पीहर और ससुराल के आपसी पारिवारिक विवाद में ससुराल पक्ष के लोगों का कृत्य घोर निंदनीय है। उन्होंने कहा कि घटना के संज्ञान में आते ही अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) को मौके पर जाकर इस मामले में कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे।

उन्होंने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के उच्चाधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए थे तथा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में सभी आरोपियों को हिरासत में लिया। इससे मामले में पुलिस ने अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है और चार अन्य को हिरासत में लिया है।

पद मेरे लिए पद कोई बड़ी बात नहीं है : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि उनके लिए पद कोई बड़ी बात नहीं है बल्कि लोगों का कल्याण मायने रखता है। मुख्यमंत्री ने कहा, मेरे लिए पद कोई बड़ी बात नहीं है.. मेरे लिये सेवा बड़ी बात है जो अंतिम सांस तक चलती रहेगी। गहलोत नवगठित ब्यावर जिले में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। गहलोत का यह बयान उनके और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच राज्य में नेतृत्व के मुद्दे पर काफी समय तक चले राजनीतिक घमासान के संदर्भ में आया।

वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद दोनों नेता इस पद की दौड़ में थे और पार्टी आलाकमान ने गहलोत को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाया, जबकि पायलट को उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया था। पिछले महीने, गहलोत ने कहा था कि वह कभी-कभी मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बारे में सोचते हैं लेकिन पद उन्हें नहीं छोड़ रहा है।

ब्यावर के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य में 17 नए जिलों के गठन का जिक्र करते हुए कहा कि छोटे जिले बनाने का प्रयोग सफल रहा है और अगर कांग्रेस सरकार वापस सत्ता में आती है तो ऐसे और भी छोटे जिले बनाए जा सकते हैं। इससे पहले, उन्होंने दूदू जिले में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। नवनिर्मित जिलों में दूदू भी शामिल है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की पूरे देश में चर्चा हो रही है।

विपक्षी गठबंधन एकजुट नहीं, उसमें से कोई भी अकेले मोदी का सामना नहीं कर सकता : दिलीप घोष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धुपगुड़ी (पश्चिम बंगाल)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूजिव अलायंस) की शनिवार को आलोचना करते हुए दावा किया कि इसके घटक दल एकजुट नहीं हैं और इसके नेता परस्पर-विरोधी बयान दे रहे हैं।

मेदिनीपुर के सांसद घोष ने पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में यहां संवाददाताओं से कहा कि भाजपा विरोधी दलों को एकजुट करने की कोशिशें नाकाम हो रही हैं क्योंकि ज्यादातर दलों के पास आगे आने और विपक्षी खेमे में शामिल होने का साहस नहीं है। उन्होंने कहा, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की एक हालिया बैठक के ठीक बाद, उसके नेता परस्पर-विरोधी बयान दे रहे हैं। वे भाजपा विरोधी सभी दलों को एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन ऐसे कई दल डर से आगे नहीं आ रहे हैं। असल में, कोई भी अकेले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सामना नहीं कर सकता।

घोष धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर हैं, जहां पांच सितंबर को उपचुनाव होना है।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया

कि कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता अपने सांसदों-विधायकों को बचाने के लिए जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की कुर्बानी दे रहे हैं।

राज्य की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार की ओर इशारा करते हुए उन्होंने दावा किया, राजनीतिक हत्याएं की जा रही हैं, राज्य में महिलाओं को प्रताड़ित किया जा रहा है लेकिन आपके (माकपा और कांग्रेस) नेता उनके (टीएमसी के) नेताओं के साथ चाय की चुस्की ले रहे हैं।

घोष ने कहा, राज्य में चुनाव पुलिस और धन के इस्तेमाल से जीते जा रहे हैं। लोग इससे मुक्ति चाहते हैं। यह 2024 के आम चुनावों में साबित हो जाएगा।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का समर्थन करते हुए भाजपा की प्रदेश इकाई के पूर्व प्रमुख ने कहा कि राज्य में पूरा प्रशासनिक तंत्र साल भर किसी न किसी चुनाव में व्यस्त है जिसके चलते आम आदमी सेवाओं से वंचित हो गया है। उन्होंने कहा, यही कारण है कि हम विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ चाहते हैं।

भाजपा विधायक विष्णु पी. रॉय का 25 जुलाई को निधन हो जाने के चलते धुपगुड़ी सीट पर उपचुनाव कराने की जरूरत पड़ी है। मतगणना आठ सितंबर को होगी।

टीएमसी ने प्रोफेसर निर्मल चंद्र रॉय को, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने तापसी रॉय को उम्मीद बनाया है। तापसी जम्मू कश्मीर में 2021 में आतंकवादी हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ जवान की पत्नी हैं। माकपा ने लोक गायक ईश्वर चंद्र रॉय को उम्मीदवार बनाया है, जिन्हें कांग्रेस ने अपना समर्थन दिया है।

प्रतिस्पर्धी निवेश गंतव्य बनने के लिए पूर्वोत्तर में चकित कर देने वाला बदलाव आया: चंद्रशेखर

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने यहां कि कहा कि निवेश का प्रतिस्पर्धी गंतव्य बनने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में चकित कर देने वाला बदलाव आया है।

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी के केंद्रीय राज्य मंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ शुक्रवार को खास बातचीत में कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में 'कनेक्टिविटी' की समस्या थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है क्योंकि हालात पूरी तरह बदल चुके हैं।

उन्होंने कहा कि अब कोई भी व्यक्ति देश के किसी भी हिस्से से पूर्वोत्तर के किसी भी राज्य की राजधानी तक आसानी से पहुंच सकता है। उन्होंने कहा, बेहतर 'कनेक्टिविटी' नहीं होना क्षेत्र में कारोबार, प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे के विकास की राह में बाधा बना हुआ था, लेकिन पिछले नौ वर्षों के दौरान 'कनेक्टिविटी' बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया और अब अगला कदम आर्थिक विस्तार सुनिश्चित करना तथा सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) को दोहरे अंक तक ले जाना है। मंत्री ने कहा कि अभी देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पूर्वोत्तर के सभी राज्यों का हिस्सा आठ प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास के अगले चरण में नौकरियों के सृजन के साथ उद्यमिता पर जोर रहेगा जिसके लिए सुनियोजित कौशल बहुत महत्वपूर्ण है।

'शिवलिंग' को फव्वारे के तौर पर स्थापित करके पाप किया गया : भारद्वाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि सार्वजनिक स्थान पर फव्वारे के रूप में 'शिवलिंग' स्थापित करके 'पाप' किया गया है और दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना को इस कृत्य के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। सक्सेना ने हालांकि, इस आरोप का प्रतिवाद करते हुए कहा, मैं इसे कलाकृति के तौर पर देखता हूं। मैं दूसरों की राय पर टिप्पणी नहीं कर सकता।

अगले सप्ताह जी20 शिखर सम्मेलन के लिए सड़कों के सौंदर्यीकरण के लिए किए जा रहे कार्यों के निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान भारद्वाज ने यह आरोप लगाया। शिवलिंग फव्वारा विवाद के बारे में पूछे जाने पर भारद्वाज ने कहा, सार्वजनिक स्थान पर फव्वारे के रूप में शिवलिंग स्थापित करके पाप किया गया है। भारद्वाज ने कहा, सार्वजनिक फव्वारों में, उपचारित अपशिष्ट जल प्रवाहित किया जाता है। हम भगवान शिव के प्रतीक शिवलिंग पर पवित्र जल चढ़ाते हैं। यह मंदिरों और घरों में होता है, सार्वजनिक स्थानों पर नहीं... उपराज्यपाल को इस पर देश से माफी मांगनी चाहिए। दिल्ली के उपराज्यपाल सक्सेना ने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, जिसे वे 'शिवलिंग' कह रहे हैं वह मूर्तिकार की कल्पना है। देश के कण-कण में भगवान है। अगर उन्हें इसमें भगवान दिखता है तो ये अच्छा है, लेकिन मैं इसे केवल एक कलाकृति के तौर पर देखता हूं। मैं दूसरों के मत पर टिप्पणी नहीं करता। दिल्ली के मंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा यह जानने के बाद भी चुप थी कि शिवलिंग के फव्वारे उपराज्यपाल की देखरेख में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य के तहत लगाए गए। भारद्वाज ने आरोप लगाया, इस मामले पर भाजपा की चुप्पी हिंदू धर्म के 'ठेकेदार' होने के उसके दिखावे को उजागर करती है।

अयोध्या में शीघ्र बनेगा 'मंदिर संग्रहालय' : उप्र सरकार

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार ने देशभर के प्रसिद्ध मंदिरों के इतिहास को प्रदर्शित करने के लिए अयोध्या में एक संग्रहालय बनाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार इस परियोजना के लिए एक विस्तृत खाका तैयार कर रही है।

अयोध्या के आयुक्त गौरव दयाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह मंदिर 10 एकड़ से अधिक भूमि पर बनाए जाने की योजना है और इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष एक प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने कहा कि इसके लिए भूमि का चयन अभी नहीं किया गया है।

दयाल के अनुसार संग्रहालय में मंदिर के विभिन्न पहलुओं जैसे उसके डिजाइन, निर्माण आदि को प्रदर्शित करने वाली अलग-अलग दीर्घाएं होंगी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित संग्रहालय की दीर्घाओं में देश के प्रसिद्ध मंदिरों की विशिष्टताओं और वास्तुकला को चित्रों और भित्ति चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें 'लाइट एंड साउंड शो' भी आयोजित किया जाएगा।

कांग्रेस ने 'आदित्य एल1' के प्रक्षेपण को शानदार उपलब्धि बताया

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का जिक्र किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को 'आदित्य एल1' मिशन को देश के लिए शानदार उपलब्धि करार दिया और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए कहा कि परियोजना को साल 2009 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की मंजूरी मिली थी।

सूर्य मिशन से संबंधित उपग्रह 'आदित्य एल1' को शनिवार पूर्वाह्न 11.50 बजे श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड से प्रक्षेपित किया गया। इस उपग्रह को सूर्य परिमंडल के दूरस्थ अवलोकन और पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर 'एल1' (सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु) पर सौर हवा का वास्तविक अवलोकन करने के लिए डिजाइन किया

गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, तमसो मा ज्योतिर्गमय - मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। हम अपने वैज्ञानिकों, अंतरिक्ष इंजीनियरों, शोधकर्ताओं और अपने कड़ी मेहनत करने वाले कर्मियों के ऋणी और आभारी हैं। हम सब मिलकर उनकी सफलता का जश्न मनाते हैं और कृतज्ञता के साथ उनका सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा, भारत ने सूर्य की यात्रा 2006 में शुरू की, जब हमारे वैज्ञानिकों ने सूर्य के लिए एक ही उपकरण के साथ एक सौर वेधशाला का प्रस्ताव रखा। जुलाई 2013 में इसरो ने आदित्य-1 मिशन के लिए सात पेलोड का चयन किया, जिसे अब आदित्य-एल1 मिशन का नाम दिया गया है। नवंबर 2015 में इसरो ने औपचारिक रूप से आदित्य-एल1 को मंजूरी दे दी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, चंद्रयान मिशन (पहला- 2008, दूसरा- 2019 और तीसरा- 2023) और मंगलयान मिशन (2013) की शानदार सफलताओं के बाद, सूर्य का अध्ययन करने के लिए उपग्रह स्थापित करने की दिशा में हमारा रास्ता थोड़ा और सुरक्षित हो गया। उन्होंने कहा, राष्ट्र विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान की क्षमता का निर्माण केवल कुछ वर्षों में नहीं, बल्कि पूरे दशकों में करते हैं, और अंतरिक्ष अनुसंधान और अन्वेषण में भारत की सफलता उस अदम्य साहस और प्रतिबद्धता का एक ज्वलंत उदाहरण है। तमाम बाधाओं के बावजूद हमने जीत हासिल की है।

बहुविवाह प्रथा पर प्रस्तावित विधेयक के लिए 150 सुझाव प्राप्त हुए : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य में बहुविवाह प्रथा को समाप्त करने के प्रस्तावित विधेयक पर लगभग 150 सुझाव प्राप्त हुए हैं और इनमें से केवल तीन सुझावों में भी ही विरोध दर्ज कराया गया है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून का अंतिम मसौदा तैयार करने का काम अब शुरू होगा और इसे अगले 45 दिन में तैयार कर लिया जाएगा।

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा, बहुविवाह प्रथा पर प्रतिबंध लगाने के लिए प्रस्तावित विधेयक पर हमें कुल 149 सुझाव प्राप्त हुए हैं। इनमें से 146 सुझाव विधेयक के पक्ष में हैं। इससे साफ है कि विधेयक को मजबूत जनसमर्थन मिला है। हालांकि, तीन संगठनों ने इस विधेयक पर अपना विरोध जताया है। असम सरकार ने 21 अगस्त को एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर इस प्रस्तावित कानून पर जनता की राय मांगी थी। इसमें लोगों से 30 अगस्त तक ईमेल या पोस्ट के जरिए अपनी राय भेजने का अनुरोध किया गया था। असम सरकार ने 12 मई को विशेषज्ञ समिति गठित की थी, जिसका उद्देश्य बहुविवाह प्रथा को प्रतिबंधित करने के लिए कानून बनाने के विधानसभा के वैधानिक अधिकार का अध्ययन करना था।

प्रधानमंत्री देश को बताएं कि वह अडानी के खिलाफ जांच क्यों नहीं करा रहे : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री को देश की जनता को बताना चाहिए कि वह अडानी के खिलाफ जांच क्यों नहीं करा रहे हैं। गांधी ने यह भी कहा कि नफरत एवं हिंसा से देश प्रगति नहीं कर सकता है और न ही वह आर्थिक रूप से सशक्त हो सकता है।

गांधी ने शनिवार को नवा रायपुर में राजीव युवा मितान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, कुछ दिनों पहले आर्थिक मामलों के दुनिया के सबसे बड़े अखबार ने लिखा था कि नरेन्द्र मोदी के करीबी अडानी ने हिंदुस्तान से हजारों करोड़ रुपए बाहर भेजे और उस पैसे से स्टॉक मार्केट में अपने शेयर के दाम बढ़ाए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को स्पष्ट करना चाहिए तथा देश को और छत्तीसगढ़ युवाओं को बताना चाहिए कि वह अडानी की जांच क्यों नहीं करा रहे हैं। ऐसी क्या बात है कि नरेन्द्र मोदी जांच नहीं करा रहे हैं। हिन्दुस्तान से जो हजारों करोड़ रुपए बाहर गए वह किसका पैसा था। वह अडानी का पैसा नहीं था, किसी और का पैसा था। गांधी ने कहा, मैं आपको साफ कर देता हूं कि हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री अडानी की कोई जांच नहीं करा सकते क्योंकि जांच का नतीजा नतीजा निकल गया तो उसका नुकसान अडानी को नहीं किसी और को होगा।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, भाजपा और नरेन्द्र मोदी हिन्दुस्तान के दो-तीन अरबपतियों के लिए काम करते हैं। नाम आप जानते ही हैं।

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' के तहत आम चुनाव के साथ उप्र विस चुनाव कराकर भी देख लें : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। केंद्र द्वारा 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए समिति गठित करने के कदम पर समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार इस बार लोकसभा और उप्र विधानसभा चुनाव एक साथ कराके भी देख ले।

पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, हर बड़े काम को करने से पहले एक प्रयोग किया जाता है। इसी के मद्देनजर हम यह सलाह दे रहे हैं कि 'एक देश-एक चुनाव' करवाने से पहले भाजपा सरकार, इस बार लोकसभा चुनाव और देश की सबसे अधिक लोकसभा व विधानसभा सीटों वाले राज्य उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव एक साथ कराके देख ले। इससे चुनाव आयोग की क्षमता भी सामने आ जाएगी और जनमत भी। साथ ही भाजपा को यह भी पता चल जाएगा कि जनता किस तरह पार्टी से आक्रोशित है और उसे सत्ता से हटाने के लिए कितनी उतावली है। केंद्र सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए एक समिति का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

'भारतीय महिला फुटबॉल टीम के पास वैश्विक स्तर पर प्रगति करने का मौका'

नई दिल्ली/भाषा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) अध्यक्ष कल्याण चौबे को लगता है कि देश में महिलाओं के खेल में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में प्रगति करने का 'बेहतर मौका' है और कहा कि कुछ और प्रयासों से सीनियर टीम फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सकती है। पूर्व भारतीय खिलाड़ी चौबे एआईएफएफ अध्यक्ष के तौर पर एक साल पूरा कर चुके हैं और जब से उन्होंने यह जिम्मेदारी संभाली तब से वह महिलाओं के फुटबॉल के स्तर को सुधारने के लिए प्रयास कर रहे हैं। चौबे ने एआईएफएफ की वेबसाइट से कहा, मैं सुनिश्चित करना चाहता हूं कि महिलाओं की फुटबॉल को वो सारी सुविधाएं मिलें जो भारत में पुरुष फुटबॉल को मिलती है और मैं सच में मानता हूं कि हमारे पास महिलाओं के फुटबॉल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रगति करने का बेहतर मौका है।

उपचुनाव नहीं लड़ने के टिपरा मोथा के फैसले से भाजपा को लाभ होगा : माणिक साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोक्सानगर (त्रिपुरा)/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मणिक साहा ने कहा कि राज्य के मुख्य विपक्षी दल टिपरा मोथा के उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेने के फैसले से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लाभ होगा। हालांकि, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने दावा किया कि यह कदम भाजपा विरोधी वोटों को संघटित करेगा। भाजपा शासित त्रिपुरा में मुख्य विपक्षी दल टिपरा मोथा ने शुक्रवार को कहा था कि वह सिपाहीजाला जिले की धनपुर और बोक्सानगर सीटों पर

पांच सितंबर को होने वाले उपचुनाव में किसी भी पार्टी का समर्थन नहीं करेगा।

मुख्यमंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, टिपरा मोथा का निर्णय अहम है, क्योंकि वह भाजपा विरोधी मतों को संघटित करने के विपक्षी दलों के प्रयासों में शामिल नहीं हुआ। हमारी पार्टी को इस फैसले से यकीनन फायदा होगा। मुझे विश्वास है कि भाजपा दोनों सीटों पर भारी मतों के अंतर से जीत दर्ज करेगी। उपचुनाव के लिए पार्टी के प्रचार अभियान का नेतृत्व कर रहे साहा ने कहा कि लोगों के बीच भाजपा के बारे में गलत धारणा है।

इस वर्ष राज्य में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा बोक्सानगर सीट हार गई थी। बोक्सानगर विधानसभा क्षेत्र में अल्पसंख्यक समुदाय के 50 प्रतिशत से अधिक मतदाता हैं। वहीं, भाजपा विरोधी वोटों के विभाजन के कारण पार्टी को धनपुर सीट पर जीत हासिल हुई थी। साहा ने यहां पार्टी की बैठक के बाद कहा, इस बार हम गलत धारणा को मिटाने में सफल रहे हैं।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' गांधी जयंती पर देशभर में कार्यक्रम आयोजित करेगा : नीतीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' दो अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर देशभर में कार्यक्रम आयोजित करेगा।

'इंडिया' के घटक जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता कुमार ने कहा कि मुंबई में हुई गठबंधन की बैठक में यह निर्णय लिया गया। हालांकि उन्होंने इन प्रस्तावित कार्यक्रमों का ब्योरा नहीं दिया। कुमार ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 'विपक्ष की एकता' से

घबरा गया है इसलिए केंद्र सरकार ने इस महीने के उत्तरार्द्ध में संसद का विशेष सत्र बुलाया है और अब तक उसके एजेंडे का खुलासा नहीं किया है। कुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने प्रस्ताव किया है कि इंडिया गठबंधन देशभर में गांधी जयंती मनाएगा। उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन ने सत्तारूढ़ भाजपा में घबराहट पैदा कर दी है और इसने केंद्र सरकार को विधानसभा और लोकसभा चुनाव साथ कराने की संभावना तलाशने के लिए बाध्य किया है।

पटाखे के भंडारण में आग लगने से एक महिला मजदूर की मौत

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश में शामली के आनन्द नगर मोहल्ले में एक घर में शनिवार को पटाखों के भंडार में आग लगने से एक महिला मजदूर की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

शामली जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिषेक ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। तलाशी के दौरान घटनास्थल से महिला का शव बरामद किया गया जिसकी पहचान मजदूर करतारी देवी (75) के रूप में की गई। एसपी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस इलाके में अवैध भंडारण की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या पटाखे बनाए जा रहे थे या सिर्फ भंडार किया गया था।

पांच सेट में जीत दर्ज करके अपने प्रतिद्वंद्वियों को कड़ा संदेश दिया है: नोवाक जोकोविच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/एपी। नोवाक जोकोविच ने अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहले दो सेट गंवाने के बावजूद जीत दर्ज करने के बाद कहा कि इससे उनके भावी प्रतिद्वंद्वियों के पास कड़ा संदेश चला गया है कि वह अब भी पांच सेट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज करने में सक्षम है। जोकोविच ने तीसरे दौर में लास्लो जेरे को साढ़े तीन घंटे तक चले मैच में 4-6, 4-6, 6-1, 6-1, 6-3 से पराजित किया।

सर्बिया के इस खिलाड़ी ने मैच के बाद कहा, निश्चित तौर पर इससे बाकी खिलाड़ियों के पास संदेश चला गया है कि मैं अब भी देर रात तक पांच सेट तक खेलने में सक्षम हूं। पहले दो सेट गंवाने के बाद जीत दर्ज करने पर भावी प्रतिद्वंद्वियों के पास हमेशा कड़ा संदेश जाता है।

जोकोविच का अगला मुकाबला क्रोएशिया के क्वालीफायर 25 वर्षीय बोर्ना गोजो से होगा जो पहली बार अमेरिकी ओपन में खेल रहे हैं।

जोकोविच ने कहा, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मैं आगे के मैचों में इस तरह की स्थिति में नहीं पड़ना चाहता हूं। मैं सीधे सेटों में जीत दर्ज करने को प्राथमिकता देता हूं। उम्मीद है कि अगले मैच में मैं ऐसा करने में सफल रहूंगा। जेरे के खिलाफ तीसरे दौर का यह मैच शुक्रवार को शुरू हुआ और शनिवार को एक बजकर 30 मिनट पर समाप्त हुआ। जोकोविच ने कहा कि तीसरे सेट में पहला ब्रेक प्वाइंट लेने के बाद उन्हें लगा कि वह वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, यकीन मानिए, यह मैच आखिरी शॉट तक तनावपूर्ण रहा। शुरू में मेरे पास कोई विकल्प नहीं था लेकिन तीसरे सेट से मैंने बेहतर खेल दिखाया। जब मैंने तीसरे सेट में ब्रेक प्वाइंट लिया तो तब मुझे लगा कि मेरे पास मौका है।

यह जोकोविच के करियर में आठवां अवसर है जबकि उन्होंने पहले दो सेट गंवाने के बाद मैच जीता। अपने करियर में पांच सेट तक चले मैचों में उन्होंने 38 बार जीत दर्ज की है जबकि 11 बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

पुरुष हॉकी : भारत ने मलेशिया को 10-4 से हराया, एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान से होगा सामना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सलालाह (ओमान)/भाषा। भारत ने शनिवार को यहां सेमीफाइनल में मलेशिया को 10-4 से रौंदकर शुरुआती पुरुष हॉकी फाइव्स एशिया कप के फाइनल में प्रवेश किया जिसमें उसका सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। पाकिस्तान ने पहले सेमीफाइनल में ओमान को 7-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। भारत को टूर्नामेंट के एलीट पूल चरण के मैच में पाकिस्तान से 4-5 से हार मिली थी।

भारत की ओर से सेमीफाइनल में मोहम्मद राहील (नौवें, 16वें, 24वें, 28वें मिनट), मनिंदर सिंह (दूसरे मिनट), पवन राजभर (13वें मिनट), सुखविंदर (21वें मिनट), दिप्सन टिर्की (22वें मिनट), जुगराज सिंह (23वें मिनट) और गुरजोत सिंह (29वें मनट) ने गोल दागे।

वहीं मलेशिया के लिए कप्तान इस्माइल आसिया अबू (चौथे मिनट), अकहिमुल्लाह अनवर (सातवें, 19वें मिनट), मोहम्मद दिन (19वें मिनट) में गोल किए। इस जीत से भारत का 2024 एफआईएच हॉकी फाइव्स विश्व कप में स्थान भी पक्का हो गया। भारत शनिवार को ही फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगा।

सुविचार

छोटी सी जिंदगी है, किस किस को खुश करें साहब, जलाते हैं गर चिराग़, तो अँधेरे बुरा मान जाते हैं।

ट्वीट

यूपीए की सरकार में 12 लाख करोड़ रुपए का घोटाला हुआ। 2जी घोटाला, कोल घोटाला, कॉमनवेल्थ घोटाला, इस तरह इन्होंने अनगिनत घोटाले किए। इसलिए इनको देश से कोई लेना-देना नहीं, सिर्फ अपने भ्रष्टाचार को छुपाने और अपने परिवार को बचाने के लिए कर रहे हैं।

-जेपी नड्डा

कोटा के दीगोद में सिंचाई के अभाव में सोयाबीन की फसल ख़राब होने के कारण किसान रामगोपाल जी लश्करी ने आत्महत्या कर ली। श्रीगंगानगर से लेकर अनूपगढ़ तक किसान भाई सिंचाई के पानी के लिए त्राही-त्राही कर रहे हैं।

-दिया कुमारी

कहानी

वक्त

ट्रेन अपने पहले के देरी से गंतव्य पर पहुंचने के सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए इस बार निर्धारित समय पर राजधानी पहुंची थी। मौसम के बिगड़ते मिजाज का पता ही नहीं चल पा रहा था। कुछ देर पहले तक आसमान साफ था। अचानक घने बादल आसमान पर छा गए और बरसने लगे। इस बारिश से लोगों को गर्मी से राहत जरूर महसूस हुई थी। दूसरे शहर के सरकारी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में अपने-अपने क्लीनिकल विभाग में प्रोफेसर डॉ राजन और उसकी पत्नी डॉ नेहा यहां अपने एक डॉक्टर मित्र की पुत्री की शाम को होने वाली शादी में शामिल होने आए थे। डॉ. राजन अपने विषय का सुपर स्पेशलिस्ट था। कार्य की व्यस्तता के कारण रात वाली ट्रेन से ही उन्हे अपने शहर वापिस लौटना था।

स्टेशन के पास एक होटल में वे ठहरे थे। होटल में सुबह तैयार होकर और नाश्ता खाने के बाद उन्होने समय का सदुपयोग करने का सोचते हुए शाम से पहले इस शहर में रहने वाले अपने कुछ परिचित लोगों से कुछ समय के लिए मिलने का प्रोग्राम बनाया। इस लिस्ट में राज्य सरकार में मंत्री, जो उनके शहर के विधायक भी थे, शामिल थे। उन्होने सोचा कि मंत्री जी घर पर होंगे तो उनसे अपने संबंधों के कारण शिष्टाचार के नाते मुलाकात कर लेंगे। हालांकि कुछ दिन पहले ही अपने शहर में उनकी आपस में मुलाकात हुई थी। मंत्री जी उनके महकमे के मंत्री नहीं थे। लेकिन उन दोनों के आपस में संबंध एक मंत्री और डॉक्टर से कहीं बढ़ कर थे। राजन ने होटल की ही कैब सुबह स्टेशन से होटल लाने, दिन भर घुमने और शाम को शादी अटेंड करने के बाद उनको स्टेशन तक छोड़ने के लिए बुक करा रखी थी। बारिश धीमी होने पर वो पहले मंत्रीजी के घर के लिए रवाना हो गए। मंत्रीजी के घर पर लोगों का हुजूम लगा हुआ था। इनमें राजन को कई जाने पहचाने चेहरे भी नज़र आ रहे थे। वहां आया हर व्यक्ति किसी न किसी कार्य से मंत्री जी से मिलने आया था। मंत्री जी जनता दरबार में बाहर अभी आए नहीं थे। राजन ने मंत्रीजी के सहायक को उस दिन की विज़िटर्स लिस्ट में अपना और नेहा का नाम लिखवाने की बजाय उसे अपने नाम की एक स्लिप अंदर देकर आने को कहा और नेहा के साथ वहां बैठ गया। वहां बहुत से लोग डॉक्टर साहब कहते हुए राजन से मिलने लगे थे। कुछ देर बाद ही एक व्यक्ति उनके पास आकर बैठ गया और बातचीत करने लगा। एक बार तो राजन को यकीन ही नहीं हुआ कि वह जो देख और सुन रहा था वह सच में था या कोई ख़्वाब था।

उनके पास आकर बैठा व्यक्ति कोई और नहीं रिश्ते में राजन के चाचा अमर थे। राजन और नेहा ने शिष्टाचार के नाते अमर के चरण स्पर्श किए। अमर चाचा अपना ट्रांसफर किसी दूसरे शहर में हो जाने से वापिस अपने शहर में ही करवाने के लिए मंत्री जी से मिलने आए थे। इस संदर्भ में वे पिछले महीनों में मंत्री जी से मिलने कई बार यहां आ चुके थे। लेकिन उनका काम नहीं हुआ था। एक ही शहर में रहते हुए भी अमर चाचा या उनके परिवार वाले राजन या उसके परिवार वालों से मुलाकात तो छोड़ो बात तक नहीं करते थे। अचानक अमर चाचा को अपने और नेहा से बात करता देख राजन, उस परिवार के बारे में जो देखा और सुना था की। अतीत की कई घटनाओं से जुड़ी यादों में खो गया।

अमर चाचा के पिता मोहन दादाजी और राजन के दादाजी दोनों भाई थे। गुजरते वक़्त के साथ बढ़ते परिवार और घर में रहने के लिए जगह की कमी के कारण हुए उनके संयुक्त परिवार में विघटन से सभी भाई विवाह के बाद अपने-अपने परिवार के साथ अलग-अलग मकान लेकर रहने लगे थे। सभी को हीन भावना से देखने वाले अमर चाचा की परवरिश ही कुछ इस तरह के माहौल में हुई थी कि वह अंतर्मुखी होने के साथ किसी दूसरे को किसी भी क्षेत्र में अपनी तुलना में कुछ भी नहीं समझते थे। धीरे-धीरे यह उनके व्यक्तित्व में साफ झलकने लगा था और पहचान बन गया था। पढ़ाई में हमेशा औसत दर्जे के रहे अमर चाचा खुद की योग्यता, ज्ञान और व्यक्तित्व के बल पर कहीं नौकरी नहीं लग सकते थे। मोहन दादाजी ने अपने एक जानकर अफसर की बहुत मिन्नतें कर एक सरकारी महकमे में उनकी नौकरी लगवाई थी।

नौकरी लगने के बाद अमर चाचा के व्यवहार में बदतमीजी और असभ्यता में जो बढ़ोतरी हुई उसने रुकने का नाम ही नहीं लिया। अपने पिता की शोहरत और दौलत का गुरूर उनके दिमाग में हमेशा छाए रहता था। अमर चाचा के इस तरह के व्यवहार के लिए किसी हद तक मोहन दादाजी खुद जिम्मेवार थे। मोहन जी का व्यवहार भी कमोबेश अपने पुत्र जैसा ही था। पिता-पुत्र का इस तरह का व्यवहार उनके परिवार की पहचान और परम्परा का हिस्सा बन गया था। इसका अनुसरण उनकी अगली पीढ़ी भी कर रही थी। पारिवारिक या सामाजिक परिवेश में किसी को भी नीचा दिखाने में वो मौका कभी नहीं चूकते थे। ऐसा करने में उन्हे कैसा और कौन सा सुकून मिलता था। यह शायद उनका परिवार ही जानता था।

किसी सामाजिक कार्यक्रम में जब कभी राजन की मुलाकात अमर चाचा से होती तो वह उसे नजरअंदाज करते हुए अपने संबंधों का परिचय किसी को भी नहीं देते थे। राजन से अपने संबंधों की पहचान को वे जाहिर नहीं करते थे। राजन फिर भी उनके प्रति अपना आदर प्रकट करते हुए उनके चरण स्पर्श करने के बाद अलग बैठ जाता था। अमर चाचा हॉस्पिटल में अक्सर राजन के आउटडोर वाले दिन वहां मौजूद स्टॉफ से जानबूझकर राजन को सुनाते हुए ऊंची आवाज में पूछते थे कि यहां कोई डॉक्टर है क्या? फिर वहां किसी दूसरे जूनियर डॉक्टर को खुद की समस्या बताकर इलाज का पर्चा बनवा लेते थे। बीतते समय के साथ राजन ने उनके इस तरह के व्यवहार को सहजता से लेकर उनकी ओर ध्यान देना ही बंद कर दिया था।

राजन और नेहा की पोस्टग्रेजुएशन करने के बाद प्रथम पोस्टिंग अपने विभाग में मेडिकल ऑफिसर (एमओ) के रूप में हुई थी। मेडिकल हॉस्पिटल में राजन और नेहा के आउटडोर वाले दिन बोर्ड पर उनके नाम के आगे एम ओ लिखा देखकर अमर चाचा को ज्यादा कुछ समझ में नहीं आया। लेकिन घर पर वे व्यंग्यात्मक शैली में उनकी एमओ, सीओ, पीओ, टीओ और न जाने किन-किन उपनामों से चर्चा किया करते रहते थे। इस तरह की बातों और अपने अजीबोगरीब व्यवहार से उनका परिवार जिव्हा रस का आनन्द लिया करता था। मोहन दादाजी या अमर चाचा से बातचीत के दौरान राजन या नेहा के डॉक्टर होने के नाते प्रशंसा में यदि कोई कुछ कह भी देता तो वो कहते थे कि राजन और नेहा डॉक्टर ही तो हैं कोई खुदा तो नहीं। राजन का परिचय मोहन दादाजी और अमर चाचा यदि कहीं बहुत जरुरी हो जाता तो वे उसको अपने भाई का पोता बताकर और अमर चाचा अपने ताऊजी का पोता बताकर बात आगे नहीं बढ़ने देते। राजन से अपने संबंधों पर उन्होंने अपनी कुंठाओं की चादर ढक रखी थी। किसी रिश्तेदार या जानकार के बीमार होने और जल्दी ठीक नहीं होने पर अमर चाचा और मोहन जी उनसे व्यंग्य में पूछते आपका इलाज कहीं राजन या नेहा तो नहीं कर रहे ? राजन या नेहा के इलाज करने से मरीज ठीक नहीं हुआ। इसमें मरीज ठीक नहीं हुआ कहना जरुरी नहीं है। इलाज यदि राजन या नेहा में से कोई कर रहा है तो उसका नाम बताना ही काफी है। इसका जवाब जाने बिना वो दोनों जोर से हंसने लगते। मोहन दादाजी और अमर चाचा को कभी लंबे समय तक आर्थिक तंगी के हालात से गुजरे परिवार के बेटे राजन का डॉक्टर बन जाना इतने समय बाद भी शायद बर्दाश्त नहीं हो पाया था।

राजन का अपने मनचाहे विषय में सुपर स्पेशलिटी कोर्स करने के लिए चयन हुआ। उस समय राजन और परिवारजनों को बधाई देने वालों का तांता लग गया था। मोहन दादाजी और उनका परिवार उस समय या उसके बाद भी गायब ही रहा। किसी रिश्तेदार के बच्चों की असफलता पर उनकी योग्यता का ताउम्र मजाक उड़ाने वाले मोहन दादाजी और अमर चाचा अपने बच्चों की असफलता पर भाग्य को दोष देने में नहीं थकते थे। कई बार हद हो जाती थी जब अपने परिवार के सदस्यों की शैक्षणिक या व्यावसायिक असफलता में वे दूसरों का योगदान बताकर उन्हे कोसने लगते थे। राजन और नेहा को डॉक्टर बनने पर जब समाज ने सम्मानित किया तो उस समय भी मोहन दादाजी का परिवार उस कार्यक्रम से दूर ही रहा था। उन्हे किसी की खुशी, विशेषकर अपने ही परिवार के सदस्यों की, न जाने क्यों बर्दाश्त ही नहीं होती थी।

किसी दूसरे व्यक्ति की सफलता पर बधाई और शुभकामना जैसे शब्द मोहन दादाजी और उनके परिवार के किसी भी सदस्य की जुबान से किसी ने कभी नहीं सुने थे। इन शब्दों की प्रासंगिकता के उनके लिए कोई मायने नहीं थे। राजन या उसके परिवार के किसी सदस्य से सामाजिक. पारिवारिक परिवेश में या कहीं मिलने पर मोहन दादाजी और उनके परिवार के सदस्य ऐसे अनजानों सा व्यवहार करते मानो एक दूसरे को पहचानते ही नहीं थे। किसी को देख कर अनदेखा कर देना और इस तरह की सोच उनके व्यवहार का हिस्सा बन गए थे। इस व्यवहार से कोई व्यक्ति कब आहत होता है इससे उन्हे कोई सरोकार नहीं था। किसी की भावनाओं को आहत कर उन्हे न जाने किस तरह की खुशी मिलती थी।

राजन ने अरसे से इस बात को महसूस किया था कि मोहन दादाजी के परिवार का व्यवहार किसी भी व्यक्ति के साथ सामान्य नहीं था। मोहन दादाजी और उसका परिवार अपने परिवार के लोगों को ही नहीं. बल्कि अपने जानकार सभी लोगों को हीन भावना से देखने के किसी अनजान रोग से ग्रस्त था। मेडिकल साइंस में कुछ समय बाद उनके इस बढ़ते हुए रोग का कोई इलाज भी शायद सम्भव नहीं था। किसी से बातचीत में विश्वास, समझ और ज्ञान की कमी भी उनकी नकारात्मक सोच में बढ़ावा ही कर रही थी। वे सभी इस बात से अनजान थे कि उनकी अपनी कुंठाओं के कारण मानसिक रोग विशेष की अवस्था उनके आचरण और व्यवहार में घर कर रही थी। इन सब बातों को दरकिनार कर मोहन दादाजी और उनका पूरा परिवार तथाकथित विशिष्ट सोच और नजरिए के साथ अपनी दुनिया को सर्वश्रेष्ठ मानते हुए उसमें रमा था।

अचानक अपने नाम की आवाज सुनकर राजन वर्तमान में लौटा। मंत्रीजी का अटेंडेन्ट उसका नाम पुकारते हुए उसे और नेहा को मंत्री जी के ड्राइंग रुम में बैठने के लिए कह रहा था। राजन ने सोचा कि इतनी देर नेहा शायद अमर चाचा से बातचीत में मशगूल रही होगी। जो सच भी था। वह नेहा के साथ ड्राइंग रुम में चला गया। मंत्री जी ने ड्राइंग रुम में ही अपने. राजन और नेहा के लिए नाश्ते की व्यवस्था करवा रखी थी। राजन और नेहा होटल से नाश्ता कर के आए थे। लेकिन मंत्री जी के कहने पर साथ देने के लिए उन्होंने भी खाने के लिए नाश्ते की प्लेट में कुछ डाल लिया। मंत्री जी उनका राजधानी आने का कारण जानकर और उनसे मिलकर बहुत खुश हुए ।

उनसे बातचीत के दौरान मंत्रीजी कहने लगे ज्यादातर तो मुझसे मिलने वाला हर व्यक्ति काम होने पर ही मिलता है। बाहर बैठे लोग भी वे ही हैं। इनमें से ज्यादातर लोग अपने शहर के हैं जो मुझे वहां कभी नहीं मिले। इनमें बहुत लोग बिना किसी पहचान वाले लोग हैं। मेरे मंत्री बनने के बाद किसी न किसी पहचान या सिफारिश से. बिना मेरा कार्य क्षेत्र और सामर्थ्य जाने अपने काम करवाने के लिए यहां आए हैं। यह कदापि संभव नहीं कि यहां आए हर व्यक्ति का कार्य मैं कर सकूं। मेरे विभाग का हर संभव कार्य करने के लिए मैं कभी मना या देर नहीं करता। आप अपना समय निकालकर मुझसे मिलने आए और मुझे याद किया बहुत अच्छा लगा। आप अंदर बैठो मैं बाहर आए लोगों से मिल लेता हूं। दोपहर का भोजन यहीं खाना। राजन और नेहा ने मंत्री जी को शुक्रिया अदा करते हुए दोपहर के भोजन के लिए मना किया और अपना दिन भर का प्रोग्राम बताया।

मंत्रीजी कुछ कहते इससे पहले ही उनके मोबाइल फोन पर आई किसी कॉल के कारण उन्हे तुरंत वहां से जाना पड़ा। राजन और नेहा के साथ वे ड्राइंग रुम से बाहर निकले। बाहर बारिश तेज हो रही थी। मंत्री जी का अटेंडेन्ट अंदर से उनके. राजन और नेहा के लिए कार तक पहुंचने में भीगने से बचने के लिए छाते लेकर आया। इससे पहले कि वे कुछ कहते, बाहर बैठे लोग अपना नाम पुकारने और अपनी बात कहने की उम्मीद में उनकी ओर देखने लगे। मंत्री जी ने विनम्रता से सभी लोगों से अपने जरुरी काम से जाने से उनसे नहीं मिल पाने के लिए कहा और राजन का हाथ पकड़े नेहा के साथ अपने बंगले से बाहर की ओर जाने लगे। मंत्री जी ने राजन को कहीं जाने के लिए कार में छोड़ना हो तो इसके लिए पूछा। राजन ने बताया कि वह कैब लेकर आया था।

इतने में अचानक अमर चाचा ने आकर रास्ते में मंत्री जी को नमस्कार किया। मंत्री जी ने उनका अभिवादन स्वीकार करते हुए बाद में आने को कहा। अमर चाचा ने राजन की और देखते हुए कहा सर. डॉ. राजन मेरा भतीजा है..... इससे पहले कि अमर चाचा कुछ और कहते मंत्री जी ने कार में बैठते हुए कहा डॉ. राजन से मेरे पारिवारिक संबंध हैं। ये मेरे फैमिली डॉक्टर हैं। इनके बारे में मुझे बताने की जरुरत नहीं। आप अपनी पहचान इनसे बताना चाहते हो तो इससे पहले मुझसे कई बार मिलने पर भी आपने इनका जिक्र कभी नहीं किया। हर बार आप मुझसे नई पहचान और सिफारिश के साथ मिले हो। राजन और नेहा की ओर देखकर मंत्री जी हाथ हिलाते हुए अपनी कार में रवाना हो गए। वक़्त अपनी रफ़्तार से चल रहा था। वक़्त की रफ़्तार को अमर चाचा और उनके परिवार ने समझने की कभी कोशिश ही नही करी। राजन और उसके परिवार के प्रति हीन भावना के कारण वे उनसे अपने संबंध लोगों से अक्सर छुपाते रहे थे। गुजरते वक़्त के साथ अमर चाचा को खुद की पहचान बताने के लिए राजन के नाम की जरुरत पड़ गई थी।

राजन और नेहा अपनी कैब में बैठ गए। मंत्री जी का अटेंडेन्ट उनसे छाते लेकर अंदर चला गया। तेज बारिश में राजन की निगाहें अमर चाचा को ढूंढ रही थीं। कैब के रियर व्यू मिरर में राजन ने देखा कि पूरा भीग चुके अमर चाचा अकेले धीमे धीमे कदमों से राजन से विपरीत दिशा में जा रहे थे। कुछ ही पलों में अमर चाचा राजन की निगाहों से ओझल हो गए थे। कैब भी उनके अगले गंतव्य की ओर तेज रफ्तार से रवाना हो गई थी।

सुधीर केवलिया
संपर्क : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

कर्मण्येवाधिकारस्ते!

कर्मण्येवाधिकारस्ते!एक युवा व्यापारी मिले। बहुत परेशान थे। कहने लगे, मन लगाकर परिश्रम से अपना काम करता हूँ पर परिणाम नहीं मिलता। सोचता हूँ काम बंद कर दूँ। यद्यपि उन्हें काम आरम्भ किए बहुत समय नहीं हुआ है। किसी संस्था के अध्यक्ष मिले। वे भी व्यथित थे। बोले, संस्था के लिए जान दे दो पर आलोचनाओं के सिवा कुछ नहीं मिलता। अब मुक्त हो जाना चाहता हूँ इस माथापच्ची से। चिंतन हो पाता, उससे एक भूतपूर्व पार्षद टकराए। उनकी अपनी पीड़ा थी। जब तक पार्षद था, भीड़ जुटती थी। लोगों के इतने काम किए। वे ही लोग अब बुलाने पर भी नहीं आते।

कभी-कभी स्थितियाँ प्रारब्ध के साथ मिलकर ऐसा व्यूह रच देती हैं कि कर्मफल स्थगित अवस्था में आ जाता है। स्थगन का अर्थ तात्कालिक परिणाम न मिलने से है। ध्यान देने योग्य बात है कि स्थगन किसी फलनिष्पत्ति को कुछ समय के लिए रोक तो सकता है पर समाप्त नहीं कर पाता।

स्थगन का यह सिद्धांत कुछ समय के लिए निराश करता है तो दूसरा पहलू यह है कि यही सिद्धांत अमित जिजीविषा का पुंज भी बनता है।

क्या जीवित व्यक्ति के लिए यह संभव है कि वह साँस लेना बंद कर दे? कर्म से भी मनुष्य का वही सम्बंध है जो साँस है। कर्मयोग की मीमांसा करते हुए भगवान कहते हैं,

'न हि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत।'

कोई क्षण ऐसा नहीं जिसे मनुष्य बिना कर्म किए बिता सके। सभी जीव कर्माधीन हैं। इसलिए गर्भ में आने से देह तजने तक जीव को कर्म करना पड़ता है। इसी भाव को गोस्वामी जी देशज अभिव्यक्ति देते हैं,

'कर्मप्रधान विश्व रचि राखा।'

जब साँस-साँस कर्म है तो उससे परहेज कैसा? भागकर भी क्या होगा? ..और भागना संभव है क्या? यात्रा में धूप-छाँव की तरह सफलता-असफलता आती-जाती हैं। आकलन तो किया जाना चाहिए पर पलायन नहीं। चाहे लक्ष्य बदल लो पर यात्रा अविराम रखो। कर्म निरंतर और चिरंतन है।

सनातन संस्कृति छह प्रकार के कर्म प्रतिपादित करती है- नित्य, नैमित्य, काम्य, निष्काम्य, संचित एवं निषिद्ध। प्रयुक्त शब्दों में ही अर्थ अंतर्निहित है। बोधगम्यता के लिए इन छह को क्रमश: दैनिक, नियमशील, किसी कामना की पूर्ति हेतु, बिना किसी कामना के, प्रारब्ध द्वारा संचित, तथा नहीं करनेवाले कर्म के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

इसमें से संचित कर्म पर मनन कीजिए। बीज प्रतिकूल स्थितियों में धरती में दबा रहता है। स्थितियाँ अनुकूल होते ही अंकुरित होता है। कर्मफल भी बीज की भाँति संचितावस्था में रहता है पर नष्ट नहीं होता।

मनुष्य से वांछित है कि वह पथिक भाव को गहराई से समझे, निष्काम भाव से चले, निरंतर कर्मरत रहे।

अपनी कविता 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' उद्धृत करना चाहूँगा-

भीड़ का जुड़ना / भीड़ का छिटकना,
इनकी आलोचनाएँ / उनकी कुंठाएँ,
विचलित नहीं करतीं / तुम्हें पथिक..?
पथगमन मेरा कर्म / पथक्रमण मेरा धर्म,
प्रशंसा, निंदा से / अलिप्त रहता हूँ,
अखंडित यात्रा पर /मंत्रमुग्ध रहता हूँ,
पथिक को दिखते हैं / केवल रास्ते,
इसलिए प्रतिपल / कर्मण्येवाधिकारस्ते!
विचार कीजिएगा।

बोध कथा

आलसी ब्राह्मण

एक बार की बात है, एक गांव में एक ब्राह्मण रहता था। वह सुबह उठता, नहाता, पूजा करता, खाना खाता और फिर सो जाता था। उसके पास किसी भी चीज की कमी नहीं थी। एक बड़ा खेत, खाना पका कर देने वाली एक सुन्दर-सी पत्नी और दो बच्चों का अच्छा परिवार था। सब कुछ होने के बाद भी ब्राह्मण के घरवाले एक बात से बहुत परेशान थे। वो बात यह थी कि ब्राह्मण बहुत आलसी था। वो कोई भी काम खुद नहीं करता था और दिन भर सोता रहता था। एक दिन बच्चों का शोर सुनकर ब्राह्मण जाग गया और उसने देखा कि उसके दरवाजे पर एक साधु महाराज आए हैं। ब्राह्मण और उसकी पत्नी ने साधु महाराज का स्वागत किया और उन्हें भोजन कराया। भोजन के बाद ब्राह्मण ने साधु की खूब सेवा की। साधु महाराज उनकी सेवा से बहुत प्रसन्न हुए और उन्हें वरदान मांगने को कहा। ब्राह्मण ने वरदान मांगा कि मुझे कोई भी काम न करना पड़े और मेरी जगह कोई और मेरा काम कर दे। तब साधु उसे वरदान में एक जिन्न देते हैं और साथ में यह भी कहते हैं कि जिन्न को हमेशा व्यस्त रखना। अगर उसे काम नहीं दिया, तो वो तुम्हें खा जाएगा। वरदान पाकर ब्राह्मण मन ही मन बहुत खुश हुआ और साधु को आदर के साथ विदा किया। साधु के जाते ही वहां एक जिन्न प्रकट हुआ। पहले तो ब्राह्मण उसे देखकर डर जाता है, लेकिन जैसे ही वो ब्राह्मण से काम मांगता है, तब ब्राह्मण का डर दूर हो जाता है और वो उसे पहला काम खेत जोतने का देता है। जिन्न वहां से गायब हो जाता है और ब्राह्मण की खुशी का ठिकाना नहीं रहता। कुछ ही देर में जिन्न फिर आ जाता है और बोलता है कि खेत जोत दिया, दूसरा काम दीजिए। ब्राह्मण सोचता है कि इतना बड़ा खेत इसने इतनी जल्दी कैसे जोत दिया।

ब्राह्मण इतना सोच ही रहा था कि जिन्न बोलता है कि जल्दी मुझे काम बताओ नहीं तो मैं आपको खा जाऊंगा। ब्राह्मण डर जाता है और बोलता है कि जाकर खेतों में सिंचाई करो। जिन्न फिर वहां से गायब हो जाता है और थोड़ी ही देर में फिर आ जाता है। जिन्न आकर बोलता है कि खेतों की सिंचाई हो गई, अब अगला काम बताइए। ब्राह्मण एक-एक कर सभी काम बताता जाता है और जिन्न उसे चुटकियों में पूरा कर देता है। ब्राह्मण की पत्नी यह सब देख रही थी और अपने पती के आलसीपन पर चिंता करने लगी। शाम होने के पहले ही जिन्न सभी काम कर देता था। सब काम करने के बाद जिन्न ब्राह्मण के पास आ जाता और बोलता कि अगला काम बताइए, नहीं तो मैं आपको खा जाऊंगा।

अब ब्राह्मण के पास कोई भी काम नहीं बचा, जो उसे करने के लिए कह सके। उसे चिंता होने लगी है और वह बहुत डर जाता है। जब ब्राह्मण की पत्नी अपने पती को डरा हुआ देखती है, तो अपने पती को इस संकट से निकालने के बारे में सोचने लगती है। वह ब्राह्मण से बोलती है कि स्वामी अगर आप मुझे वचन देंगे कि आप कभी आलस नहीं करेंगे और अपने सभी काम खुद करेंगे, तो मैं इस जिन्न को काम दे सकती हूं। इस पर ब्राह्मण सोचता है कि पता नहीं यह क्या काम देगी। अपनी जान बचाने के लिए ब्राह्मण अपनी पत्नी को वचन दे देता है। इसके बाद ब्राह्मण की पत्नी जिन्न से बोलती है कि हमारे यहां एक कुत्ता है। तुम जाकर उसकी पूंछ पूरी सीधी कर दो। याद रखना उसकी पूंछ एकदम सीधी होनी चाहिए। जिन्न बोलता है कि अभी यह काम कर देता हूं। यह बोलकर वह वहां से चला जाता है। लाख कोशिश के बाद भी वह कुत्ते की पूंछ सीधी नहीं कर पाता और हार मान लेता है। हारकर जिन्न ब्राह्मण के यहां से चला जाता है। उस दिन के बाद से ब्राह्मण अपने आलस को छोड़कर सभी काम करने लगता है और उसका परिवार खुशी-खुशी रहने लगता है।

वीर गाथा

कैप्टन सुनील कुमार चौधरी : परमवीर की प्रतिमा से मिली प्रेरणा, उल्फा के खूंखार उग्रवादियों का किया संहार

कैप्टन सुनील कुमार चौधरी का जन्म 22 जून, 1980 को जम्मू-कश्मीर में कठुआ के पास गोविंदसर गांव में हुआ था। माता सत्या चौधरी और पिता ले. कर्नल पीएल चौधरी ने उन्हें देशप्रेम और अनुशासन का वातावरण उपलब्ध कराया, जिसने उनके जीवन को दिशा दी।

कैप्टन सुनील बहुत अच्छे खिलाड़ी भी थे। उन्होंने छात्र जीवन में फुटबॉल, मुक्केबाजी और तैराकी की कई प्रतियोगिताएं जीती थीं। जब वे पुणे विश्वविद्यालय से एमबीए (मार्केटिंग) की पढ़ाई कर रहे थे तो उनके भाई एनडीए में प्रशिक्षण ले रहे थे। वहां परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज कुमार पांडेय की प्रतिमा देखकर उन्हें बहुत प्रेरणा मिली। इसके बाद उन्होंने सीडीएस परीक्षा उत्तीर्ण की और जुलाई 2003 में भारतीय सैन्य अकादमी को जॉइन कर लिया।

वे दिसंबर 2004 में आईएमए से पास आउट हुए। इसके बाद उन्हें 11 गोरखा राइफल्स में नियुक्त किया गया। उन्होंने कमांडो (ऑफिसर्स) कोर्स सहित अपने सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने नई यूनिट 'ए' कॉय में शामिल होने के एक महीने के अंदर ही असम में उल्फा के दो शीर्ष कमांडरों को ढेर कर दिया था। उन्हें तिनसुकिया जिले के नाओपाथर गांव में उल्फा उग्रवादियों के खिलाफ उत्कृष्ट वीरता के प्रदर्शन लिए 26 जनवरी, 2008 को 'सेना पदक' से सम्मानित किया गया था।

सुनील 27 जनवरी को इसके जश्न के लिए ले. वरुण राठौड़ के साथ अपने सीओ कर्नल परमीत सक्सेना के घर एक पार्टी में शामिल होने जा रहे थे। वे अभी रास्ते में थे कि अचानक संदेश मिला कि रंगगढ़ गांव में आधा दर्जन से ज्यादा उल्फा उग्रवादियों के छुपे होने की खुफिया सूचना है। उनके खिलाफ ऑपरेशन चलाया जाए।

कैप्टन सुनील, ले. वरुण और पांच जवान तुरंत उस ऑपरेशन के लिए रवाना हो गए। वे दोपहर करीब पौने एक बजे रंगगढ़ पहुंच गए। वहां इलाके की घेराबंदी कर रहे थे कि एक मकान में छुपे उग्रवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसी बीच कुछ उग्रवादी जंगल की ओर भागने लगे।

कैप्टन सुनील ने उन्हें देखा तो उनके पीछे दौड़े और एक उग्रवादी को ढेर कर दिया। इस दौरान सुनील को भी सीने पर बाईं ओर गोली लगी, लेकिन उन्होंने अपनी परवाह नहीं की और मुकाबला जारी रखा। उन्होंने दूसरे उग्रवादी को गंभीर रूप से घायल कर दिया।

सुनील का काफी खून बह चुका था। अचानक उन्हें तीसरा उग्रवादी नजर आया, जो जंगल में छुपकर गोलियां चला रहा था। उन्होंने उसका पीछा किया और ललकारा। सुनील ने अचूक निशाना लगाते हुए उसे धराशायी कर दिया। वे इसके बाद हमेशा के लिए भारत मां की गोद में लीन हो गए।

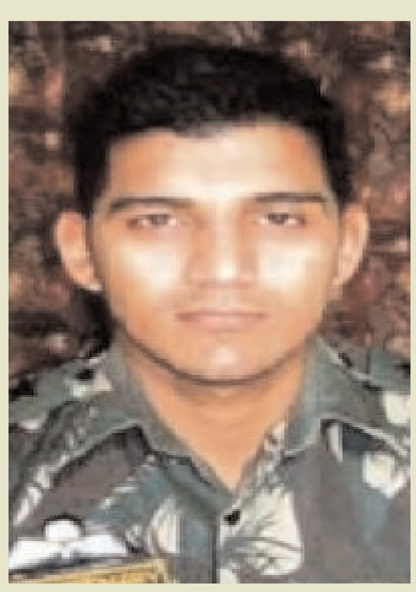

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दीक्षांत समारोह

हैदराबाद में शनिवार को नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 20वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने के बाद छात्र खुशी से झूम उठे।

निर्वाचन के तीन महीने बाद थाइलैंड के नरेश ने नए कैबिनेट को मंजूरी दी

बैंकाक/एपी

थाईलैंड के नरेश ने औपचारिक रूप से एक नए मंत्रिमंडल के सदस्यों को मंजूरी दी है, जिससे आम चुनाव के तीन महीने से अधिक समय बाद प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यभार संभालने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। फेउ थाई पार्टी का प्रतिनिधित्व करने वाले श्रेथा को 22 अगस्त को संसद द्वारा प्रधानमंत्री नामित किया गया था। पिछले साल आधिकारिक तौर पर राजनीति में प्रवेश करने से पहले तक एक प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर रहे श्रेथा वित्त मंत्री का पद भी संभालेंगे।

थाइलैंड के नरेश महा वजिरालोंगकोर्न ने शुक्रवार को इस पर शाही मंजूरी जारी की। नई सरकार बनाने में देरी संसद द्वारा मई में हुए चुनावों में सबसे अधिक सीटें जीतने वाली पार्टी – मूव फॉरवर्ड पार्टी – द्वारा गठित गठबंधन को समर्थन देने में विफलता के कारण हुई। यह प्रतिनिधि सभा और सीनेट के संयुक्त वोट में बहुमत हासिल नहीं कर सका क्योंकि इसके प्रगतिशील मंच ने रूढ़िवादी सीनेट के सदस्यों को अलग-थलग कर दिया था, जिन्होंने इसे अस्वीकार करने का कारण राजशाही में मामूली सुधारों के लिए अपना समर्थन दिया था।

संसदीय चुनाव में दूसरे स्थान पर रहने वाली फेउ थाई पार्टी ने मूव फॉरवार्ड पार्टी के बगैर एक व्यापक गठबंधन बनाया और सीनेट का समर्थन हासिल करने में सक्षम रही। लेकिन वह अपने चुनाव अभियान के दौरान किए गए वादे से मुकरते हुए पिछली सरकार के सैन्य-समर्थक दलों को अपने गठबंधन में शामिल कर लिया। फेउ थाई को पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा का समर्थन है, जिन्हें 2006 में सैन्य तख्ता पलट के बाद अपदस्थ कर दिया गया था।

शुभकामना

पटना में शनिवार को संत पशुपतिनाथ वेद विद्यालय के छात्रों ने इसरो के पहले सौर मिशन, इसरो के आदित्य-एल1 मिशन के लॉन्च से पहले अपनी शुभकामनाएं दीं।

पृथ्वी की कक्षा और चंद्रमा पर अंतरिक्ष कचरे में भविष्य के मिशन के साथ होगी बढ़ोतरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टक्सन (अमेरिका)।अभी चंद्रमा पर बहुत सारा कचरा है – जिसमें मानव अपशिष्ट के लगभग 100 बैग शामिल हैं। साथ ही ऐसे में जब दुनिया भर के देश चंद्रमा की यात्रा कर रहे हैं, चंद्रमा की सतह और पृथ्वी की कक्षा दोनों में और भी कचरा एकत्रित होने वाला है। अगस्त 2023 में, रूस का लूना-25 यान चंद्रमा की सतह पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जबकि भारत का चंद्रयान-3 मिशन दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरा, जिससे भारत चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा देश बन गया। चंद्रमा पर और अधिक देशों के उतरने के साथ, पृथ्वी पर वापस आने वाले लोगों को यह सोचना होगा कि चंद्रमा की सतह और कक्षा में छोड़े गए सभी लैंडर, अपशिष्ट और अन्य मलबे का क्या होगा?

मैं खगोल विज्ञान का प्रोफेसर हूं, जिसने अंतरिक्ष यात्रा के भविष्य, पृथ्वी से बाहर हमारे भविष्य, अंतरिक्ष में संघर्ष और अंतरिक्ष अन्वेषण की नैतिकता पर लेख लिखे हैं। कई अन्य अंतरिक्ष विशेषज्ञों की तरह, मैं अंतरिक्ष मलबे के संबंध में शासन की कमी को लेकर चिंतित हूं। लोग अंतरिक्ष को विशाल और ख़ाली समझते हैं, लेकिन पृथ्वी के निकट के वातावरण में सघनता होने लगी है। अगले दशक में सरकारों और स्पेसएक्स एवं ब्लू ओरिजिन जैसी निजी कंपनियों द्वारा 100 से अधिक चंद्र मिशन की योजना बनाई गई है।

पृथ्वी के निकट की कक्षा पृथ्वी और चंद्रमा के बीच के स्थान से भी अधिक सघन है। यह चंद्रमा तक 240,000 मील की तुलना में सीधे 100 से 500 मील तक है। वर्तमान में पृथ्वी के कुछ सौ मील के दायरे में लगभग 7,700 उपग्रह हैं। यह संख्या 2027 तक कई लाख तक बढ़ सकती है। इनमें से कई उपग्रहों का उपयोग विकासशील देशों में इंटरनेट पहुंचाने या पृथ्वी पर कृषि और जलवायु की निगरानी के लिए किया जाएगा। स्पेसएक्स जैसी कंपनियों ने प्रक्षेपण लागत में काफी कमी लाने की वजह से इससे संबंधित गतिविधि में बढ़ोतरी होने की संभावना है। अंतरिक्ष प्रक्षेपण विशेषज्ञ जॉनाथन मैकडॉवेल ने 'स्पेस.कॉम' को बताया, यह एक अंतरराज्यीय राजमार्ग की तरह होगा, बर्फीले तूफ़ान में व्यस्त समय में हर कोई बहुत तेज गति से वाहन चला रहा होगा।

यह सारी गतिविधि जोखिम और कचरा उत्पन्न करती है। मनुष्यों ने चंद्रमा पर बहुत सारा कचरा छोड़ दिया है, जिसमें 50 से अधिक 'क्रैश लैंडिंग' के रॉकेट बूस्टर जैसे अंतरिक्ष यान के हिस्से, लगभग 100 बैग मानव अपशिष्ट और अन्य विविध वस्तुएं शामिल हैं। इसमें हमारा लगभग 200 टन कचरा शामिल होता है। चूंकि चंद्रमा का किसी का मालिकाना अधिकार नहीं है, इसलिए इसे साफ सुथरा रखने की जिम्मेदारी भी किसी की नहीं है। पृथ्वी की कक्षा में अव्यवस्था में निष्क्रिय अंतरिक्ष यान, बेकार रॉकेट बूस्टर और अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा छोड़ी गई वस्तुएं जैसे दस्ताना, रिंच और टूथब्रश शामिल हैं। इसमें पेंट के टुकड़े जैसे मलबे के छोटे टुकड़े भी शामिल हैं। वर्ष 1978 में, नासा के वैज्ञानिक डोनाल्ड केसलर ने एक ऐसे परिदृश्य का वर्णन किया जहां परिक्रमा कर रहे मलबे के टुकड़ों के बीच टकराव से अधिक मलबा बनता है, और मलबे की मात्रा तेजी से बढ़ती है, जो संभावित रूप से पृथ्वी के निकट की कक्षा को अनुपयोगी बना देती है।

सिंगापुर के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति थरमन 'उच्च स्तर के समर्थन' से हैरान

सिंगापुर/भाषा

सिंगापुर के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति थरमन षणमुगरत्नम ने बधाई संदेशों के बीच शनिवार को कहा कि वह इतने उच्च स्तर के समर्थन से आश्चर्यचकित हैं और वह जनता द्वारा दिए गए जनादेश को पूरा करने को लेकर बेहद गंभीर हैं।

सिंगापुर में जन्मे भारतीय मूल के 66 वर्षीय उम्मीदार थरमन ने शनिवार तड़के 70.4 प्रतिशत मतदान हासिल कर बड़े अंतर से राष्ट्रपति चुनाव जीता। वर्ष 2011 के बाद से यह पहला राष्ट्रपति चुनाव था। आधिकारिक परिणाम घोषित होने के बाद थरमन ने अपने पहले साक्षात्कार में पत्रकारों से कहा, मुझे इतने उच्च स्तर के समर्थन की उम्मीद नहीं थी, जिसका अर्थ यह भी है कि काफी संख्या में वह लोग भी थे जिन्होंने सत्तारूढ़ दल के पक्ष में मतदान नहीं किया, जिन्होंने निर्णय लिया कि यह राजनीतिक चुनाव नहीं है और ना ही यह आम चुनाव है। उन्होंने मेरे पक्ष में मतदान करने का फैसला किया और मुझे लगता है कि यह काफी उत्साहजनक है। अर्थशास्त्री से नेता बने थरमन ने परिणाम को सिंगापुरवासियों की ओर से 'उल्लेखनीय एकता' बताते हुए कहा कि उनका मानना है कि जनता ने जिस तरह से उनके लिए मतदान किया है वह काफी समझदार है।

चैनल न्यूज एशिया ने पूर्व उप प्रधानमंत्री और वरिष्ठ मंत्री के हवाले से कहा,'मुझे लगता है कि यह भी दिलचस्प है कि सिंगापुर के लोग जिन्हें लेकर मेरा मानना है कि एक गैर-पक्षपाती राष्ट्रपति चाहते हैं... वे नहीं सोचते हैं कि किसी राजनीतिक दल का सदस्य होने या यहां तक कि कैबिनेट का सदस्य होने से किसी व्यक्ति की गैर-पक्षपाती होने की क्षमता कम होनी चाहिए। उन्होंने कहा,यह सब व्यक्ति, व्यक्ति के चरित्र, व्यक्ति की प्रतिष्ठा और उन सभी सीमाओं को पार करने की क्षमता पर निर्भर करता है जिनके बारे में आप सिंगापुर में सोच सकते हैं। मेरा मानना हमेशा से यही रहा है। थरमन ने कहा,'इसलिए, मुझे लगता है कि यह एक बहुत दिलचस्प सबक है कि सिंगापुर के लोग यह नहीं सोचते कि इतने वर्षों में मेरी राजनीतिक सेवा सही नहीं थी।

'ओजी' का टीजर जारी

मुंबई/एजेन्सी

पवन कल्याण स्टारर फिल्म 'ओजी' के निर्माताओं ने शनिवार को उनके 52वें जन्मदिन पर उनकी अपकमिंग एक्शन फिल्म के हाल ही में लॉन्च किए गए टीजर में स्टार की 'हंग्री चीते' की एक झलक साझा की। टीजर फैंस को ओजस गंभीरा उर्फ 'ओजी' नाम के गैंगस्टर से परिचित कराता है, जिसका किरदार पवन कल्याण ने निभाया है। एक मिनट, चालीस सेकंड लंबे टीज़र की बात करें तो, यह खून-खराबे, एक्शन दृश्यों से भरपूर है और अभिनेता को मुंबई के एक घातक गैंगस्टर होने के इर्द-गिर्द घूमने वाली घटनाओं के कारण 'हंग्री चीता' कहा जाता है। टीज़र पर एक नजर डालने पर यह कहना आसान है कि फिल्म के चारों तरफ ब्लॉकबस्टर लिखा हुआ है। टीजर जारी होने के बाद, फिल्म और पावर स्टार से उम्मीदें बढ़ गई हैं। फिल्म के प्रोडक्शन बैनर 'डीवीवी एंटरटेनमेंट' ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर टीज़र शेयर करते हुए लिखा, 'यहां है... हंग्री चीता आ गया है।' फिल्म में सह-कलाकार इमरान हाशमी, प्रियंका मोहन, अनुभवी अभिनेता प्रकाश राज, अर्जुन दास और श्रिया रेड्डी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह 'ओजी' डीवीवी दानय्या द्वारा निर्मित, डीवीवी एंटरटेनमेंट बैनर के तहत सुजीत द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म का संगीत थमन एस ने दिया है। इमरान हाशमी जो 'ओजी' के साथ तेलुगु सिनेमा में कदम रख रहे हैं, अपने ऑनस्क्रीन प्रतिद्वंद्वी पवन कल्याण के साथ भिड़ते नजर आएंगे।

'पार्वती' का किरदार निभाएंगी सुभा राजपूत

नई दिल्ली/एजेन्सी

'शिव शक्ति – तप त्याग तांडव' शो में अब 'पार्वती' की भूमिका में सुभा राजपूत नजर आने वाली हैं। इस शो ने भगवान शिव के रूप में राम यशवर्धन और देवी शक्ति के रूप में सुभा राजपूत की प्रेम, कर्तव्य और बलिदान की दिव्य कहानी से लोगों का दिल जीत लिया है। इस महासप्ताह 'शिव शक्ति – तप त्याग तांडव' में तारकासुर भगवान ब्रह्मा का ध्यान और जप करता है।

उसके समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान ब्रह्मा प्रकट हुए और पूछा कि वह क्या प्राप्त करना चाहता है? वज्रांग के पुत्र ने वरदान मांगा कि केवल भगवान शिव का पुत्र ही उसे मार सकता है।

दूसरी ओर आदिशक्ति देवताओं से कहती हैं कि वह हिमवान और मैनावती से जन्म लेंगी। ध्यान में लीन भगवान शिव को आभास होता है कि शक्ति का

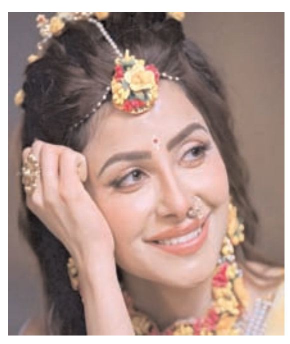

पुनर्जन्म होने वाला है। मृत्यु के भय से भयभीत तारकासुर ने सभी नवजात शिशुओं को मारने का आदेश दिया।

इन भारी बाधाओं के बावजूद पार्वती वयस्क हो गई हैं और प्रेम, कर्तव्य और बलिदान की शाश्वत यात्रा पर हैं। पार्वती के जन्म से ब्रह्मांड में ऊर्जा का संतुलन कैसे बहाल होगा? इसे ही शो में दिखाया जाएगा। 'शिव शक्ति – तप त्याग तांडव' कलर्स पर प्रसारित होता है।

'टाइगर-3' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान और अभिनेत्री कैटरीना कैफ की आने वाली फिल्म टाइगर 3 का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। यशराज फिल्मस से टाइगर 3 का पोस्टर रिलीज करते हुये बताया कि यह फिल्म टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान की घटनाओं को फॉलो करता है. वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का निर्माण हो रहा हैं और अगली पेशकश सलमान खान और कैटरीना कैफ अभिनीत टाइगर 3 है जो इस दिवाली पर रिलीज होगी। टाइगर 3 के पोस्टर में सलमान खान और कैटरीना कैफ वॉर मूड में नजर आ रहे हैं।

बैकग्राउंड में जहां एक तरफ कई हेलीकॉप्टर उड़ रहे हैं तो वहीं फ्रंट में सलमान खान बुलेट प्रुफ जैकेट के साथ गले में स्कार्फ पहने और हाथ में बंदूक थामे दिखाई दे रहे हैं।कैटरीना कैफ भी एक्शन अवतार में हाथ में बंदूक थामे दिखाई दे रही हैं। फिल्म के पोस्टर के साथ सलमान ने कैप्शन में लिखा, आ रहा हूं! दिवाली 2023 पर टाइगर 3. वाईआरएफ50 सेलिब्रेट करें। टाइगर 3 के साथ अपने नजदीकी सिनेमाघरों में. टाइगर 3 हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होगी।

'यात्री' में उनका किरदार अधूरे जुनून और सपनों की भावना है : सीमा पाहवा

मुंबई/एजेन्सी

दिग्गज अभिनेत्री-निर्देशक सीमा पाहवा ने शेयर किया है कि आने वाली फिल्म 'यात्री' में उनका मां का किरदार अधूरे जुनून और सपनों की भावना लेकर आता है। सीमा पाहवा 'बरेली की बर्फी', 'रामप्रसाद की तेरहवीं', 'बाला', 'गंगूबाई काठियावाड़ी' और अन्य फिल्मों में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। हरीश व्यास द्वारा निर्देशित फिल्म में अभिनेत्री रघुबीर यादव, जेमी लीवर, अनुराग मल्हान और चाहत खन्ना के साथ अभिनय करेंगी। सीमा ने बताया, मुझे पर्दे पर मां की भूमिका निभाने में बहुत मजा आता है। यही वजह है कि मैंने यह किरदार निभाने का फैसला किया। यह अवधारणा अत्यधिक आकर्षक है, और मैं वास्तव में इसकी कहानी का शौकीन हूं। इसके अतिरिक्त एक निर्देशक के रूप में मेरे मन में हरीश के प्रति बहुत सम्मान है। यह उनकी विशेषज्ञता ही थी, जिसने मुझे यह भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। एक्ट्रेस ने आगे उल्लेख किया कि अपने पूरे करियर में, उन्होंने कई प्रकार के मातृ चरित्रों को चित्रित किया है, जिनमें से प्रत्येक अद्वितीय और आत्मनिर्भर है। उन्होंने कहा, ''वर्तमान में मैं जिस किरदार की खोज कर रही हूं, वह अपने साथ अधूरे जुनून और सपनों की भावना लेकर आता है। वह खुद को अनिश्चित पाती हैं कि अपनी आकांक्षाओं को कैसे हासिल किया जाए, जिससे एक निश्चित स्तर की भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है। यह विशेष भूमिका मुझे एक समर्पित मां की विशिष्ट अपेक्षाओं से परे, उनकी व्यक्तिगत यात्रा को प्रदर्शित करने की अनुमति देती है, जिसकी एकमात्र इच्छा अपने परिवार और बच्चों की खुशी और सफलता है। उन्होंने आगे कहा, ''वह एक मध्यमवर्गीय महिला है, जिसने निस्वार्थ भाव से अपने सपनों को अधूरा छोड़कर अपने परिवार के लिए खुद को समर्पित कर दिया।

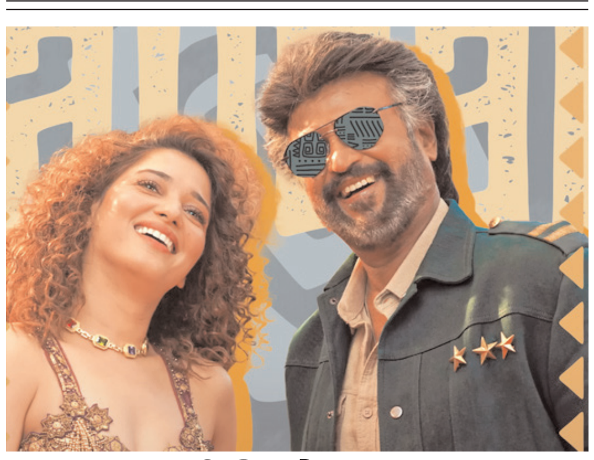

प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी रजनीकांत की 'जेलर'

मुंबई/भाषा

सुपरस्टार रजनीकांत की हाल में आई फिल्म 'जेलर' ओटीटी मंच प्राइम वीडियो पर सात सितंबर जारी होने जा रही है। 'जेलर' को सन पिक्चर्स के बैनर तले बनाया गया है जिसके निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार है। रजनीकांत फिल्म में मुख्य भूमिका में है और उनके साथ राम्या कृष्णन, योगी बाबू, विनायक, तमन्ना भाटिया और मास्टर रितविक भी हैं। इस फिल्म में मल्यालम सुपरस्टार मोहनलाल, कन्नड़ सुपरस्टार शिवा राजकुमार और बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ विशेष भूमिका में हैं।

एक्शन से भरपूर इस फिल्म की कहानी एक सेवानिवृत जेलर टाइगर मुथुवेल पंडियान (रजनीकांत) पर आधारित है जो अपने बेटे के हत्यारों को ढूंढ रहा होता है। नेल्सन ने एक बयान में कहा,' 'जेलर' मेरे लिए बहुत विशेष है। हम दुनियाभर के दर्शकों को फिल्म दिखाने के लिए उत्साहित हैं जो अपने घरों या किसी भी स्थान से फिल्म को देख सकते हैं।' सिनेमाघरों में 'जेलर' 10 अगस्त को रिलीज हुई थी जिसका आनंद भारत और दुनियाभर के 240 से अधिक देशों तथा राज्यों में प्राइम ओटीटी के सदस्य तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में ले सकेंगे।

'कन्हैया ट्विटर पे आजा' की शूटिंग के लिए लगातार तीन रातें जागे विक्की कौशल

मुंबई/एजेन्सी

नेशनल क्रश विक्की कौशल को अपकमिंग रिलीज 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' (टीजीआईएफ) के 'कन्हैया ट्विटर पे आजा' की शूटिंग के लिए लगातार तीन रातों तक जागना पड़ा। विक्की ने कहा, 'कन्हैया ट्विटर पे आजा' टीजीआईएफ में मेरा एंट्री सीक्वेंस है। एक बड़ा सेट बनाया गया था, जो भारत के एक शहर की नकल करता था। एनवायरनमेंट इंफेक्शस था, वहां अनगिनत डांसर्स और क्रू थे, जिन्होंने माहौल को और बढ़ा दिया।'' ''हमने लगातार तीन रातों तक शूटिंग की है! हां, मुझे नींद नहीं आ रही थी, हम इस माहौल को पसंद कर रहे थे!'' यह गाना साल के सबसे बड़े जन्माष्टमी गीत के रूप में चार्ट पर आगे बढ़ रहा है! विक्की का कहना है कि यशराज फिल्म्स ने उनके एंट्री सीक्वेंस को बड़े पैमाने पर देने की पूरी कोशिश की।

उन्होंने कहा, ''वाईआरएफ ने अपने गृहनगर में भजन कुमार की लोकप्रियता दिखाने के लिए वास्तव में 'कन्हैया ट्विटर पे आजा' का आयोजन किया था। मेरा किरदार अपने शहर में एक गायन आइकन है और इस शहर के लोग उसे पसंद करते हैं।'' विक्की ने कहा, ''गाने का स्तर भजन कुमार के प्रति लोगों के प्यार से मेल खाना चाहिए। इस गाने की शूटिंग में मैंने अद्भुत समय बिताया।

मुझे उम्मीद है कि लोगों को यह गाना भी पसंद आएगा और यह इस जन्माष्टमी पर हिट गाना बन जाएगा!'' द ग्रेट इंडिया फ़ैमिली विजय कृष्ण आचार्य द्वारा निर्देशित एक आगामी भारतीय हिंदी भाषा की पारिवारिक कॉमेडी है। इसमें मानुषी छिल्लर, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, सादिया सिद्दीकी, अलका अमीन, सृष्टि दीक्षित, भुवन अरोड़ा, आशुतोष उज्ज्वल और भारती पेरवानी भी हैं।

8

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | रविवार | 03-09-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि पांव की मोच और छोटी सोच इंसान को कभी आगे नहीं बढ़ने देती।

बेंगलूरु से रामदेवरा साइकिल यात्रियों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। बेंगलूरु से राजस्थान के रामदेवरा तीर्थ तक रामदेवरा–बेंगलूरु एकता साइकिल संघ के यात्री हुब्बल्ली पहुंचें जहां साइकिल यात्रियों का रामदेव मरुधर सेवा संघ के तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमे शहर के विभिन्न सभा संस्थाओं के पदाधिकारियों ने तीर्थ यात्रियों का सम्मान किया। गब्बूर गल्ली स्थित बाबा रामदेव मंदिर में सभी यात्रियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में समाजसेवी महेंद्र सिंघी, अखिल भारतीय राजस्थानी युवा मंच के अध्यक्ष रमेश बाफना, इलेक्ट्रिक मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश कवाड, नरपतसिंह बालोत, बाबूलाल प्रजापत, पिंटू सिंघवी, संदीप मेहता, अभिषेक मेहता, उदाराम प्रजापत, वगताराम पटेल, तेजाराम पटेल, धर्मेंद्र माली, रामलाल जणवा, भगवानाराम प्रजापत, अनोपकुमार दरजी, नरेश शर्मा, प्रमोद दवे, तेजराम सीरवी, किशोर पटेल, केवलराम पटेल, धनराज राजपुरोहित, ईश्वर शर्मा, केशाराम चौधरी आदि ने सभी का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन रामदेव मरुधर सेवा संघ के सह सचिव किशोर पटेल ने किया।

'सच्चा सुख हमारी आत्मा में है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि हर व्यक्ति चाहता है मुझे सुख चाहिए। पैसे कमा लूंगा तो मैं सुखी बन जाऊंगा। परमात्मा महावीर एक राजकुमार थे। उनके पास इतनी सारी वैभव संपत्ति थी फिर भी वे सब कुछ त्याग करके संयम के मार्ग पर चले क्योंकि धन संपत्ति क्षणिक सुख अनित्य और अशाश्वत है। वे सब कुछ जानते थे कितना भी धन हो वह सुखदाई नहीं है। फिर भी हम सुख के लिए अधिक से अधिक धन कमाने हेतु भागते हैं। तीर्थंकर परमात्मा दीक्षा लेने से पहले एक वर्ष में तीन अरब अठ्ठासी करोड़ अस्सी लाख स्वर्ण मुद्राओं का दान देते थे। हमारे जीवन में दुख होना चाहिए तभी हम परमात्मा को याद करेंगे नहीं तो हमें परमात्मा याद आने वाले नहीं है। हर व्यक्ति इस संसार में दुखी है। कोई तन से दुखी, कोई मन से दुखी, क्योंकि साधनों में सुख नहीं है। जिन्होंने सुख साधन को अपनाया उन्हें सुख नहीं मिला। यह तो सुख का आभास मात्र है। जितनी हमारे मन में अशांति होती है हम दुखी होते हैं। सच्चा सुख हमारी आत्मा में है। लेकिन, अगर हम अपनी आत्मा का निरीक्षण करेंगे तो हम सुखी बना सकते हैं। हमको वैभव धन संपत्ति का त्याग कर मर्यादित जीवन जीना चाहिए।

इससे पूर्व साध्वी अनुज्ञाश्रीजी ने कहा कि हमारी सोच सकारात्मक होनी चाहिए। हमारे दिन की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के स्मरण से करने से हमारा दिन शुभ हो सकता है। हम जितना नकारात्मक सोचेंगे हम दुखी होते जाएंगे, इसलिए सोच को हमेशा सकारात्मक रखना चाहिए। साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

पांव की मोच और छोटी सोच इंसान को कभी आगे नहीं बढ़ने देती : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि पांव की मोच और छोटी सोच इंसान को कभी आगे नहीं बढ़ने देती। हमेशा दिल बड़ा रखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि दिल बड़ा रखेंगे तो खुश होकर साधर्मिक भी घर आएंगे और दिल संकीर्ण कर लिया तो कोई भी नहीं आने वाला है। हम पैसे से भले छोटे हो पर विचारों से तो बड़े बन सकते है। साध्वी शीतलगुणाश्री जी ने कहा कि शरीर के हितैषी बनोंगे तो पाप कर्म होंगे और आत्महितैषी बनेंगे तो दुर्गणों से मुक्त होंगे। व्यर्थ के पापों से बचे, पाप कभी हम को सुख प्रदान नहीं कर सकते। वह किसी भी रूप में आकर हमसे बदला ले सकते है। हमें पापों के लिए अपने दरवाजे बंद कर देने चाहिए। धर्म की महिमा अपरम्पार है। धर्मयुक्त जीवन सुख का आधार बनता है और धर्महीन जीवन दुःख को प्राप्त करता है। आत्मा अरूपी होकर सुख दुःख की ज्ञाता है। जीव का लक्ष्य जीवन को देखना और जानना और आत्मकल्याण के लिए उसी अनुरूप आचरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में जिसने धर्म की साधना की वह महापुरूष बन गए, जिसने अहिंसा, संयम, तप की आराधना कर ली वह महापुरूष बन गए। हेमराज मोदी ने बताया कि रविवार को गुरुपद महापूजन रखा गया है। मेघराज भंसाली, मांगीलाल वेदमुथा, नेमीचंद वेदमुथा, तिलोकचंद भंडारी, हेमराज मोदी, जयंतीलाल पटियात, रमेश पालगोता, चंपालाल बंदामुथा आदि उपस्थित रहे।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जोधपुर एसोसिएशन की नूतन सदस्य निर्देशिका का विमोचन, संवत्सरी तथा गणेश चतुर्थी स्नेह मिलन 24 सिंतबर को आयोजित है। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए राज्यसभा सासंद लहरसिंह सिरोया से उनके निवास पर मुलाकात कर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंघी, संरक्षक धीरेंद्र कुमार, पदमराज मेहता, पूर्वमंत्री सज्ञनराज मेहता ने सिरोया को आमंत्रण पत्रिका भेंट की तथा संस्था के बारे में जानकारी दी।

प्रमाद त्याग से ही परमात्मा से मिलन हो सकता है : मुनि राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने 12 प्रकार के तप के विषय में समझाते हुए कहा कि प्रमाद त्याग से ही परमात्मा से मिलन हो सकता है।

साधक जीवन को बाहर से हल्का, स्वस्थ व प्रसन्न रखने के लिए मार्ग बताया गया है और अंतरंग प्रसन्नता आंतरिक लघुता और सद्गुणों के विकास के लिए भाव का पथ बताया गया है। तीसरा तप वृत्ति संक्षेप अर्थात भोजन के पदार्थों की संख्या कम करना, वृत्ति संक्षेप है। जैसे भोजन के आठ पदार्थ हो, उसमें से पांच पदार्थ ही खाना वृत्ति के अच्छे भिक्षाचरी या भिक्षावृत्ति भी होते है।

साधु भिक्षावृत्ति के लिए क्षेत्र–काल–भाव की विविध प्रकार की मर्यादाओं को स्वीकार करते है जैसे दो या तीन घरों से ही भिक्षा ग्रहण करना अथवा एक या दो बार मे पात्र में जितना आहार प्राप्त होता है, उसी से संतुष्ट या निश्चित मोहल्ले में ही गोचरी के लिए जाना आदि श्रावक के 14 नियमों का चिंतन इस तप के अंतरगत आते है।

अरिहंत प्रीमियर फुॅटसाल इंटर कॉलेज फुटबाल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अरिहंत प्री–यूनिवर्सिटी कॉलेज के तत्वावधान में ग्लोबल कैम्पस तलगट्टपुरा प्रांगण में अरिहंत प्रीमियर फुॅटसाल इंटर कॉलेज फुटबाल प्रतियोगिता आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन करते हुए अनूपकुमार ने फुटबाल खिलाड़ी रोनाल्डो के जीवन संघर्ष का उदाहरण देते हुए खिलाड़ियों का जोशीला स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय फुटबाल खिलाड़ी सुदर्शन वी. लकुर ने अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा करते हुए खिलाड़ियों को हमेशा खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अरिहंत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की ट्रस्टी रवीना नागोरी ने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना रखने की सलाह देते हुए शुभकामनाएँ दी। शारीरिक शिक्षा निदेशक सुरेश ने कहा कि खेल में हार जीत से अधिक महत्त्वपूर्ण होता है उसमे भागीदारी।उन्होंने अरिहंत प्री–यूनिवर्सिटी कॉलेज का परिचय देते हुए इस कॉलेज में पढ़ने वाले राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों एवं उनको मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी भी साझा की। इस प्रतियोगिता में शहर के 14 कॉलेज के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. उमा हत्तिकाल, शारीरिक शिक्षा निदेशक सुरेश सी, संतोषकुमार, उपप्राचार्य शिल्पा सहित अनेक शिक्षक उपस्थित थे। यशस्वनी सीबी ने स्वागत किया तथा चेतना एम ने धन्यवाद दिया।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीतो के उपाध्यक्ष राजेश सालेचा, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, लेडीज़ विंग चेयरमैन भावना सालेचा, सचिव रजनी डाकलिया, प्रोजेक्ट चेयरमेन मोना भटेवरा ने सांसद को आमंत्रण पत्रिका भेंट कर कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया। सदस्यों ने सांसद को जीतो के कार्यों की जानकारी दी।

'ईश्वर के अस्तित्व को मात्र मस्तिष्क से नहीं, हृदय से स्वीकार करें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित वैष्णव भवन में आयोजित सत्संग कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए श्री बालाजी मठ

मंदिर लोक न्यास ग्वालियर के चेयरमैन एवं गौमाता गौरक्षा फाउंडेशन के राष्ट्रीय मंत्री भानूप्रताप दुबे ने कहा कि लोग ईश्वर का अस्तित्व मस्तिष्क मात्र से स्वीकार करते हैं हृदय से नहीं। जानते भर हैं, मानते नहीं। यदि ईश्वर का अस्तित्व सच्चे मन से हृदयंगम किया जाए और आत्मा का कल्याण परमात्मा के समीप्य अनुग्रह में माना जाए तो फिर मनुष्य ना तो कुमार्गगामी हो सकता है और ना काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद मत्सर के पाश में बंधा हुआ, वासना – तृष्णा की कीचड़ में फंस सकता है। जिसेआत्मकल्याण की, ईश्वरीय अनुग्रह की आकांक्षा है उसके लिए उत्कृष्ट स्तर का जीवन यापन करना ही एकमात्र मार्ग रह जाता है। ऐसे ही सद्भावना एवं सत्प्रवृत्तियों में निरत ईश्वर भक्त, परमात्मा की भक्ति प्राप्ति का आनंद लेते और जीवन लक्ष्य प्राप्त करते हैं।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के आदर्श विद्या संघ के अध्यक्ष पदमराज मेहता व सचिव जितेन्द्र मरड़िया ने राज्यसभा सासंद लहरसिंह सिरोया से मुलाकात कर उन्हें संस्था की गतिविधियों की जानकारी देते हुए स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में प्रकाशित स्मारिका भेंट की। इस मौके पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर भी चर्चा हुई।

पुण्य कर्म की पूंजी ही जीवन में अंत तक साथ देती है : साध्वी तत्वत्रयाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मीलेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीजी श्री तत्वत्रयाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि संसार में कोई भी चीज सदा साथ रहने वाली नहीं है। जीवन में हम सगे संबंधी, धन, यश व कीर्ति को अपना मानते है। यह हम गलत सोचते व मानते है। यह सब तब तक आप के साथ है जब तक कि आप के साथ पुण्य कर्म की पूंजी साथ है। सभी के साथ स्वार्थ का संबंध है। जैसे ही स्वार्थ पूरा होने पर संबंध भी खत्म हो जाता है। शरीर भी उसी क्रम में एक दिन साथ छोड़ देता है। हमारे साथ जो सदा रहने वाला नहीं है उसका साथ मोह छोड़ देना चाहिए। केवल अपने कर्म का पालन करना चाहिए। शरीर जो नश्वर है उस पर इतना इतराने की जरूरत ही नहीं है। साध्वीवर्या ने कहा कि सारे शुभ और अशुभ कर्मों के फल जितने भी हैं यह जीव अकेला ही भोगता है कोई साथ न देने वाला होता है। माता, पिता, पुत्र, नारी, दोस्त, रिश्तेदार अपनी कोई रिश्तेदारी नहीं निभाते है सिर्फ स्वार्थ के लिए सगे बन जाते हैंऔर स्वार्थ ख़त्म होने पर धोखा दे जाते हैं। चाहे सुख हो या दुःख यह जीव अकेला ही सहन करता है। यह जानकारी जयंतीलाल श्री श्रीमाल ने दी।

'स्व-कल्याण के लिए कृतज्ञ गुण को अपनाना चाहिए'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रीतिसुधाश्रीजी की निश्रा में प्रियमंत्राञ्जनाश्रीजी ने कहा हमें कृतज्ञ गुण को अपनाना चाहिए। एक पशु के अंदर भी कृतज्ञगुण भरा हुआ है, वह अपने मालिक के प्रति वफादार रहता है। कृतज्ञता चार प्रकार से हैं पहले जो प्रतिकार या प्रतिफल की इच्छा के बिना उपकार करें, दूसरा जो उपकार का बदला चुकाने के लिए तैयार रहता है, तीसरा जो उपकार किया उनको कभी भूलता नहीं है और चौथा जिन्होंने उपकार किया उनका भी अपकार करता है। उनके उपकार को भूलता है वह कृतघ्न

होता है। कृतघ्न व्यक्ति से धरती भी भारी है। कृतघ्न व्यक्ति धरती पर बोझ के समान है।

हरिभद्रसूरीश्वरजी महाराज साहब ने कहा है की जिन्होंने अपने जीवन में उपकार किया है, हमें मार्गदर्शन दिया है। उनके प्रति कृतज्ञता गुण को अपनाना चाहिए। उनके उपकार को नहीं भूलना चाहिए। जो भूले वह कृतघ्न है। बचपन में अपनी पढ़ाई में, खुशी में, जिन माता–पिता ने साथ दिया उनको अभी खुशी देने का मौका मिले और वैसा न करे वह कृतघ्न व्यक्ति है। जीवित मां–बाप की पूजा नहीं करते हैं और फोटो के आगे धूप दीपक करते हैं।

कृतघ्न व्यक्ति अपने मां–बाप के लिए अच्छे कपड़े नहीं लाते, अच्छी देखभाल नहीं करते हैं, और देवी मां को जाकर चुनरी ओड़ाते हैं। बचपन में हमारे ऊपर जिन्होंने उपकार किया तो, अब संतान का फर्ज बनता है कि उनके उपकार का बदला चुकाया जाए। मां–बाप की सेवा करना अपना कर्तव्य है। स्वार्थ से सेवा करें तो कोई फल नहीं, निस्वार्थ सेवा करेंगे तो मेवा जरूर मिलेगा।

शोक संदेश

जन्म: 30 अप्रैल 1940 - अरिहन्त शरण: 2 सितम्बर 2023

श्रीमती शारदा देवी सुरेशचन्द्र जैन

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी माँ श्रीमती शारदा देवी जैन (लमेचवाल), धर्मपत्नी स्व. श्री सुरेशचन्द्र जिनवरदासजी जैन, ने सल्लेखना व्रत धारण करते हुए दिनांक 2 सितम्बर 2023 को अपने नश्वर शरीर को त्याग करते हुए दिव्यलोक में विलीन हो गईं! विधी के विधान के आगे हम सब नतमस्तक हैं।

उठावना

दिव्य आत्मा की शान्ति के लिए उठावना दिनांक 4 सितम्बर 2023 सोमवार, को सुबह 9:15 बजे निम्न स्थान पर रखा है।
श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, दूसरा मेन, 62, सातवाँ क्रॉस रोड, विनायका नगर, विल्सन गार्डन, बेंगलुरू-560027

शोकाकुल परिवार

योगेश - अमिता (पुत्र-पुत्रवधु) | डॉ. राजेश - आरती (पुत्र-पुत्रवधु) | अर्चना - नवीनजी (पुत्री-दामाद)
प्रतीक - वन्दना (पौत्र-पौत्रवधु) | डॉ. रिशिता - जतीनजी (पौत्री-पौत्रीवर) | संभव - महक (नाती-नातीन)
अमित (पौत्र) | डॉ. अभिषेक (पौत्र)

एवं समस्त लमेचवाल परिवार

मोबाइल : 9900624056 / 9845044319

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com